NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.| B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

बिजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 125 लखनऊ, शनिवार 21 दिसंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

नौका दुर्घटना: प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की

प्रधानमंत्री ने मुंबई में नौका दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्तिके निकट परिजन के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दिए जाने की घोषणा की है और घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

नई दिल्ली 19 दिसम्बर(एजेंसी)प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मुंबई तट के पास हुई नौका दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को दो–दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।नौसेना ने कहा कि मुंबई तट के समीप बुधवार को नौसेना के एक पोत के एक नौका से टकराने के कारण 13 लोगों की मौत` गई जबकि 99 अन्य लोगों को बचा लिया गया।नौसेना की ओर से जारी किए गए एक बयान में कहा गया कि नौसेना का पोत इंजन परीक्षण के लिए जा रहा था, लेकिन तभी शाम चार बजे इसने नियंत्रण खो दिया और करंजा के पास यह नीलकमल नामक नौका से टकरा गया।यह नौका यात्रियों को गेटवे ऑफ इंडिया से लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'एलीफेंटा' द्वीप पर लेकर जा रही थी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उनके हवाले से एक पोस्ट में कहा, ''मुंबई में हुई नौका दुर्घटना दुखद है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द स्वस्थ हो जाएं। प्रभावितों को सहायता प्रदान की जा रही है।''प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने मुंबई में नौका दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के निकट परिजन के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष से दो–दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दिए जाने की घोषणा की है और घायलों को 50–50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

किसान आंदोलन पर सुप्रीम कोर्ट बोला-सीधे हमारे पास आएं प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली 19 दिसम्बर(एजेंसी)सुप्रीम कोर्ट ने खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की चिकित्सा जांच नहीं कराने पर पंजाब सरकार को फटकार लगाई। पंजाब के अधिकारियों के माध्यम से किसान नेता द्वारा मुद्दे के समाधान की इच्छा जताए जाने के बाद न्यायालय ने कहा कि डल्लेवाल के ठीक होने पर अदालत उनसे बात करेगी। कोई भी किसानों को विरोध प्रदर्शन से डिगाने की कोशिश नहीं कर रहा है, केवल उनके नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा कि डल्लेवाल को कम से कम एक सप्ताह तक इलाज कराने के लिए राजी करें और अन्य लोग प्रदर्शन जारी रख सकते हैं। भारतीय किसान यूनियन (सिद्धूपुर) के प्रवक्ता गुरदीप सिंह चहल ने कहा कि गुरुवार को डल्लेवाल की तबीयत खराब होने पर भी वह लगभग 10 मिनट तक बेहोश रहे, सरकार के सूत्रों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश ने राज्य पर फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है। हालाँकि, यह कोई नई बात नहीं है। पंजाब पुलिस के अधिकारी सीमा पर आंदोलनकारी किसानों के संपर्क में हैं। लेकिन डल्लेवाल दृढ़ हैं। वह कोई चिकित्सीय सहायता नहीं लेना चाहता। काफी समझाने के बाद वह कुछ दिन पहले अपनी चिकित्सकीय जांच कराने के लिए सहमत हुए थे।सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पंजाब सरकार ने स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला को खनौरी बॉर्डर पर जाकर डल्लेवाल को मनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि, हमें उम्मीद नहीं है कि बहुत कुछ बदलने वाला है।

धक्कामुक्की कांड पर कांग्रेस की सफाई पर बीजेपी का काउंटर अटैक, पूछा- अब गुंडे संसद जाएंगे?

आज मेरा मन भारी है, व्यथित है, पीड़ा से भरा हुआ है। मैं एक दर्जन बार लोकसभा और विधानसभा का सदस्य रहा हूं। मैंने सांसदों और विधायकों के व्यवहार और आचरण को देखा है। लेकिन आज जो संसद में हुआ उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अशालीन, अशोभनीय और गुंडागर्दी से भरा व्यवहार किया गया। जिसकी सभ्य समाज कल्पना भी नहीं कर सकता।

नई दिल्ली 19 दिसम्बर(एजेंसी)केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने अभी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। हमें लगा कि वे आज की घटना पर माफी मांगेंगे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मुझे समझ नहीं आया कि उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों की। उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका अहंकार झलक रहा था। मैं उनका व्यवहार देख रहा था। लेकिन आज उन्होंने (राहुल गांधी) जो किया वह सभ्य समाज के लिए अकल्पनीय है। आज जब भाजपा सांसद मकर द्वार पर विरोध कर रहे थे, तो राहुल गांधी वहां आ गए। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अंदर जाने के लिए दूसरी जगह का इस्तेमाल करने को कहा। लेकिन वे जानबूझकर वहां आए। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी उनका अहंकार झलक रहा था। आज मेरा मन भारी है, व्यथित है, पीड़ा से भरा हुआ है। मैं एक दर्जन बार लोकसभा और विधानसभा का सदस्य रहा हूं। मैंने सांसदों और विधायकों के व्यवहार और आचरण को देखा है। लेकिन आज जो संसद में हुआ उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अशालीन, अशोभनीय और गुंडागर्दी से भरा व्यवहार किया गया। जिसकी सभ्य समाज कल्पना भी नहीं कर सकता।

मैं कई बार विधानसभा या लोकसभा का सदस्य रहा हूं। विधानसभा और संसद दोनों में मैंने सांसदों और विधायकों का आचरण देखा है। हालाँकि, आज संसद में जो हुआ वह अकल्पनीय था। यह एक अशोभनीय कृत्य था जिसे सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता। हमारी एक आदिवासी सांसद बहन श्रीमती कोन्याक ने जो कुछ कहा है, वो सुनकर व्यथा से हम भर जाते हैं। उन्होंने सभापति जी को शिकायत की है कि उनके साथ अशालीन, असभ्य, अमर्यादित व्यवहार किया गया। सभापति कह रहे हैं कि वह उनके पास रोती हुई आई थी। क्या महिला आदिवासी सांसद के साथ ऐसा व्यवहार किया जाएगा, क्या उनके इतने निकट पहुंचे कि वो असहज हो जाएं। मां–बहन–बेटी का सम्मान भारत की प्राथमिकता रही है। लेकिन महिला आदिवासी सांसद के साथ ऐसे व्यवहार की कोई कल्पना कर सकता है क्या? क्या हो गया है राहुल गांधी और कांग्रेस को?जब मैं देखने गया तो मुकेश राजपूत उस समय तक होश में नहीं थे। उनकी डत्क की जा रही है। क्या संसद में ऐसे दृश्य देखे जाएंगे, क्या तर्कों का सहारा लेने की बजाय शारीरिक ताकत का प्रयोग किया जाएगा। सांसदों को ये अधिकार है कि वो किसी बात पर विरोधा प्रकट करें। कांग्रेस भी कई दिनों से विरोध प्रकट कर रही थी, मकर द्वार पर उनके सांसद एकत्र होते थे। तब हम लोगों को जाना होता था, तो हम द्वार बदल लेते थे या पास में जो चंबम होता था उसमें से चुपचाप निकलकर

अमित शाह पागल हो गए हैं, उन्हें राजनीति छोड़ देनी चाहिए, अंबेडकर विवाद पर लालू यादव का बयान

नई दिल्ली 19 दिसम्बर (एजेंसी)डॉ. बीआर अंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर विवाद के बीच, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने गुरुवार को कहा कि अमित शाह पागल हो गए हैं और उन्हें राजनीति छोड़ देनी चाहिए और इस्तीफा दे देना चाहिए। लालू यादव ने अमित शाह पर निशाना साधा, जिसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर बहस का जवाब देते हुए कहा कि अंबेडकर का नाम लेना कांग्रेस के लिए फैशन बन गया है।समाचार एजेंसी एएनआई ने अपनी रिपोर्ट में लालू यादव के हवाले से कहा, "अमित शाह पागल हो गए हैं। उन्हें बाबासाहेब अंबेडकर से नफरत होनी चाहिए।इससे पहले, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शाह और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और नफरत फैलाने का आरोप लगाया था। यादव ने एएनआई से कहा, "बाबासाहेब अंबेडकर हमारे फैशन और जुनून हैं। वे हमारी प्रेरणा और प्रेरणा भी हैं।

अडानी का मुद्दा भटकाने के लिए बीजेपी ने ये सब रचा

धक्का कांड पर राहुल बोले- चलाएंगे अभियान

विपक्ष के नेता ने सत्तारूढ़ दल पर ऐसी विचारधारा का पालन करने का भी आरोप लगाया जो अंबेडकर विरोधी और संविधान विरोधी है। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हालिया टिप्पणियों का जिक्र करते हुए, गांधी ने भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार डा. बीआर अंबेडकर द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को ध्वमजोर करने के लिए भाजपा की आलोचना की।

नई दिल्ली 19 दिसम्बर(एजेंसी)संसद में बढ़ते तनाव के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को संसद परिसर के भीतर हुई कथित हाथापाई को संबोधित करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मीडिया को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला किया, और सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों पर संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने के विपक्ष के प्रयासों में जानबूझकर बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सरकार राष्ट्रीय चिंताओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है।

विपक्ष के नेता ने सत्तारूढ़ दल पर ऐसी विचारधारा का पालन करने का भी आरोप लगाया जो अंबेडकर विरोधी और संविधान विरोधी है। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हालिया टिप्पणियों का जिक्र करते हुए, गांधी ने भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को ध्वमजोर करने के लिए भाजपा की आलोचना की। भाजपा के कार्य और नीतियां मौलिक रूप से समानता, न्याय और लोकतंत्र के उन मूल्यों के विपरीत हैं जिनके लिए अंबेडकर खड़े थे। गांधी ने भाजपा पर संयुक्त राज्य अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडानी से जुड़े मामले से ध्यान भटकाने के लिए संसद में व्यवधान पैदा करने का भी आरोप लगाया। संवाददाता सम्मेलन में गांधी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने इस मामले पर चर्चा को दबाने और अनावश्यक विवाद पैदा करने के लिए जानबूझकर प्रयास किए।

राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरकार और खासकर प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह डॉ. बीआर अंबेडकर के बारे में जो बयान दे रहे हैं वह बहुत दुखद है और उन्होंने (अमित शाह) कल तथ्यों को देखे बिना ही प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। जवाहरलाल नेहरू, डॉ. बीआर अंबेडकर को गाली देने से पहले उन्हें तथ्यों को देखना चाहिए।

ललित मोदी ने दी जन्मदिन की बधाई, माल्या बोले- हम दोनों के साथ भारत में गलत हुआ दोस्त

नई दिल्ली 19 दिसम्बर(एजेंसी)विजय माल्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने सबसे प्यारे दोस्त और साथी भगोड़े ललित मोदी की जन्मदिन की शुभकामना का जवाब दिया है। माल्या ने कहा कि उन्होंने और मोदी दोनों के साथ देश में गलत किया गया, जिसके लिए उन्होंने योगदान देने की कोशिश की थी। यह प्रतिक्रिया बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के पूर्व मालिक विजय माल्या द्वारा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर निशाना साधने के कुछ घंटों बाद आई, उन्होंने दावा किया कि वह राहत के हकदार हैं क्योंकि बैंकों ने पहले ही उनकी एयरलाइन पर बकाया राशि के दोगुने से अधिक की वसूली कर ली है।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक और वास्तुकार ललित मोदी को आईपीएल के 2009 सीजन में कथित वित्तीय अनियमितताओं के बाद 2010 में भारत छोड़ने के बाद भगोड़ा वर्गीकृत किया गया था। विजय माल्या की तरह ही पूर्व आईपीएल कमिश्नर भी फिलहाल ब्रिटेन में रह रहे हैं। 18 दिसंबर को, विजय माल्या के 69वें जन्मदिन पर, मोदी ने शराब कारोबारी के लिए एक एक्स पोस्ट साझा किया।उन्होंने एक्स पर लिखा कि मेरे दोस्त विजय माल्या, आपको जन्मदिन की बहुत–बहुत शुभकामनाएँ – जीवन में निश्चित रूप से उतार–चढ़ाव आते हैं, हम दोनों ने इसे देखा है।

अमित शाह की खाल बचाने के लिए भैया के खिलाफ साजिश रची गई,प्रियंका गांधी ने दिया बीजेपी सांसदों को सीधा चैलेंज

प्रियंका गांधी ने कहा कि राहुल गांधी बीआर अंबेडकर की तस्वीर लेकर और जय भीम का नारा लगाते हुए शांतिपूर्वक संसद के अंदर जा रहे थे लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोक दिया गया। संसद परिसर में उन्होने संवाददाताओं से कहा कि हम इतने दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे ह

नई दिल्ली (एजेंसी)कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने भाजपा के इन आरोपों को गृह मंत्री अमित शाह को बचाने की साजिश बताया कि उनके भाई और पार्टी नेता राहुल गांधी ने एक भाजपा सांसद को धक्का दिया। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों पर शांतिपूर्वक विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों को संसद में प्रवेश करने से रोकने के लिए षुंडागर्दी में शामिल होने का भी आरोप लगाया। बीआर अंबेडकर के कथित अपमान को लेकर संसद परिसर में विपक्ष और एनडीए सांसदों के बीच झड़प में बीजेपी सांसद प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। भाजपा ने राहुल गांधी पर 69 वर्षीय सारंगी को धक्का देने का आरोप लगाया, जिसे कांग्रेस नेता ने खारिज कर दिया। प्रियंका गांधी ने कहा कि राहुल गांधी बीआर अंबेडकर की तस्वीर लेकर और जय भीम का नारा लगाते हुए शांतिपूर्वक संसद के अंदर जा रहे थे लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोक दिया गया। संसद परिसर में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हम इतने दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और लोगों के प्रवेश के लिए हमेशा जगह है। रोजाना सुबह 10.30 बजे से 11 बजे तक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन हो रहा है. आज, पहली बार, उन्होंने (भाजपा सांसदों) विरोध किया और सभी को रोका और फिर धक्का–मुक्की और गुंडागर्दी में शामिल हो गए। अब अमित शाह की खाल बचाने के लिए उन्होंने ये साजिश शुरू कर दी है कि श्भैयाश ने किसी को धक्का दिया है प्रियंका ने कहा कि मेरी आंखों के सामने ही खड़गे जी को धक्का लगा और वो जमीन पर गिर पड़े. फिर उन्होंने एक सीपीआई (एम) सांसद को धक्का दिया जो खड़गे जी पर गिर पड़े. कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मुझे लगा कि इससे उनका पैर टूट गया होगा क्योंकि उनके चेहरे से लग रहा था कि उन्हें चोट लगी है।

समान नागरिक संहिता के लिए बीजेपी का नया प्लान संसद से नहीं विधानसभा से होगा लागू

सुप्रीम कोर्ट के जरिए अयोध्या में राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ हुआ, और मोदी सरकार ने संसद के जरिए अनुच्छेद 370 को खत्म किया। साथ ही, संसद के जरिए ष्एक देश, एक चुनावष की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए हैं।

लखनऊ19 दिसम्बर(एजेंसी) बीजेपी ने हमेशा से देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने की वकालत की है, और यह मुद्दा जनसंघ के समय से ही पार्टी के एजेंडे का हिस्सा रहा है। जब से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है, तब से इस मुद्दे पर पार्टी ने लगातार जोर दिया है। बीजेपी ने राम मंदिर, अनुच्छेद 370 को हटाने और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बनाया था। राम मंदिर का सपना तो साकार हो चुका है, अनुच्छेद 370 को खत्म किया जा चुका है, अब सिर्फ समान नागरिक संहिता को लागू करने का काम बाकी है, जिसे बीजेपी और मोदी सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।सुप्रीम कोर्ट के जरिए अयोध्या में राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ हुआ, और मोदी सरकार ने संसद के जरिए अनुच्छेद 370 को खत्म किया। साथ ही, संसद के जरिए एक देश, एक चुनावष की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए हैं। अब, समान नागरिक संहिता को लागू करने की प्रक्रिया को लेकर बीजेपी ने एक नई रणनीति बनाई है। बीजेपी इस मुद्दे को संसद के बजाय राज्य विधानसभा के माध्यम से आगे बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने बयान के माध्यम से संकेत दिए थे।अमित शाह ने राज्यसभा में संविधान पर चर्चा करते हुए समान नागरिक संहिता के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 44 के तहत हमारा संविधान समान नागरिक संहिता की बात करता है, लेकिन यह अभी तक देश में लागू नहीं हो पाया है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू किया था, और कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति शुरू कर दी थी। अमित शाह ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई बार समान नागरिक संहिता लागू करने की बात की है, लेकिन कांग्रेस ने हर बार इसे टाल दिया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि उत्तराखंड में बीजेपी सरकार ने यूसीसी को लागू किया है और इसी मॉडल के तहत बीजेपी शासित अन्य राज्यों में भी यूसीसी को लागू किया जाएगा।समान नागरिक संहिता का मतलब है कि देश में सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून हो।

महाकुंभ-2025 के लिए परिवहन व्यवस्था की समीक्षा बैठक

लखनऊ (संवाददाता)परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में जनपद प्रयागराज में महाकुंभ–2025 के दृष्टिगत प्रदेश में सुगम और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था के लिए आज परिवहन निगम के मुख्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उन्होंने महाकुंभ के दौरान सुशासन के दृष्टिगत फेशलेस सेवाओं और परिवहन निगम की ऐप के लोकार्पण की तैयारियों पर चर्चा की, जिसे मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा।परिवहन मंत्री ने महाकुंभ–2025 के दौरान परिवहन निगम की बसों को बस स्टैण्ड से संचालित करने का निर्देश दिया और कहा कि बस स्टेशनों की साफ–सफाई, पेयजल और स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि समस्त जनपदों में प्राइवेट बसों के संचालन के लिए अस्थायी बस स्टैण्ड स्थापित किए जाएं, जहाँ श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शौचालय और डारमेट्री जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके अलावा, निगम और प्राइवेट बस स्टैण्ड पर हेल्प डेस्क और पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए श्रद्धालुओं को सूचना दी जाए।परिवहन मंत्री ने कहा कि सभी बसों में भक्तिपूर्ण संगीत चलाया जाए और कुम्भ क्षेत्र में बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालुओं को लाने–ले जाने के लिए ई–बसों की व्यवस्था की जाए। उन्होंने सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत प्रयागराज को जोड़ने वाले समस्त मार्गों पर इंटरसेप्टर वाहनों की ड्यूटी लगाने और कुम्भ जाने वाले वाहनों को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया।बैठक में अपर मुख्य सचिव परिवहन वेंकटेश्वर लू, परिवहन आयुक्त चन्द्र भूषण सिंह, विशेष सचिव के.पी. सिंह, अपर परिवहन आयुक्त (संचालन) पी.एस. सत्यार्थी और अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) ए.के. सिंह ने भी विचार व्यक्त किए। बैठक में प्रदेश के सभी जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, क्षेत्रीय प्रबंधक, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, उप परिवहन अधिकारी और संभागीय परिवहन अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

यूपी विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, हंगामे के बीच पास हुआ अनुपूरक बजट

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानमंडल सत्र की कार्यवाही गुरुवार को शुरू होते ही समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने गृहमंत्री अमित शाह के संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर पर दिए गए बयान पर जमकर हंगामा किया और नारेबाजी की। सपा सदस्य विधानसभा में डॉ. अंबेडकर की फोटो लेकर पहुंचे थे। सदन की कार्यवाही के दौरान जमकर हंगामा होता रहा। हंगामे के बीच ही अनुपूरक बजट पास कर दिया गया और इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। दरअसल, सपा सांसदों से विधानसभा अध्यक्ष ने कई बार शांत रहकर चर्चा में शामिल होने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह लोग मन बनाकर आए हैं कि आज सदन नहीं चलने देंगे। सदन में चर्चा नहीं करेंगे। हंगामा करेंगे। वित्त मंत्री ने अनुपूरक बजट मंजूर करने का प्रस्ताव पेश किया। हंगामे के बीच ही अनुपूरक बजट बिना चर्चा के पारित हुआ और विधानसभा अध्यक्ष ने सर्व सम्मति के बजट पारित करने की घोषणा की। विधानसभा अध्यक्ष ने सपा विधायकों के हंगामे के बीच कहा कि कुंभ विपक्ष का एजेंडा नहीं है। इसलिए वह चर्चा नहीं करना चाहता है। लेकिन अनुपूरक बजट पर चर्चा करें। मेरा काम है कि अनुपूरक बजट पर चर्चा हो। सुरेश खन्ना ने कहा की कुंभ पर चर्चा से भागना संस्कृति और सनातनी लोगों का अपमान है। विपक्ष ने कहा था कि कुंभ पर चर्चा कराई जाए। कुंभ में 40 करोड़ लोग आएंगे। ऐसा आयोजन पूरी दुनिया में कहीं नहीं होता है। उधर, विधानसभा अध्यक्ष महाना से बहस के बाद निष्कासित किए गए सपा विधायक अतुल प्रधान हजरतगंज में बाबा साहब की प्रतिमा के नीचे धरने पर बैठ गए हैं। अतुल प्रधान को बुधवार को विधानसभा के पूरे सत्र से निष्कासित कर दिया था। इसके पहले वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि बाबा साहेब का सम्मान भाजपा ने सबसे ज्यादा किया। विपक्ष ने बाबा साहेब के बनाए संविधान की प्रस्तावना को भी बदल दिया। बाबा साहेब को विपक्ष ने कभी सम्मान नहीं दिया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सदन में किसानों के मुद्दे पर चर्चा करनी है। बाबा साहब का सम्मान सभी करते हैं। पूरा प्रदेश देख रहा है। मै आपसे प्रार्थना करता हूं कि अपनी सीट पर जाएं। विपक्ष ने बाबा साहेब को कभी सम्मान नहीं दिया। बाबा साहब की फोटो का सम्मान कीजिए, उसे गले से लगाइए।

पंचायतीराज संस्थाओं में प्राक्सी उपस्थिति रोकने हेतु राज्य स्तरीय सेमिनार

लखनऊ(संवाददाता) सर्वोच्च न्यायालय द्वारा योजित रिट के पारित आदेश के तहत गठित एडवाइजरी कमेटी द्वारा पंचायतीराज संस्थाओं में प्रॉक्सी उपस्थिति को रोकने के लिए आज लखनऊ स्थित होटल रेग्नंत निराला नगर में राज्य स्तरीय सेमिनारध्संगोष्ठी आयोजित की गई। इस 02 दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन बबिता सिंह चौहान, अध्यक्ष राज्य महिला आयोग, उत्तर प्रदेश, बी. चन्द्रकला, सचिव पंचायतीराज, उत्तर प्रदेश, रामित मौर्या, निदेशक पंचायतीराज मंत्रालय, भारत सरकार, डा. एन.वी. माधुरी, असोसिएट प्रोफेसर, हैदराबाद विश्वविद्यालय, अटल कुमार राय, निदेशक, पंचायतीराज, उत्तर प्रदेश, अमितोष श्रीवास्तव, मुख्य लेखा अधिकारी, पंचायतीराज, उत्तर प्रदेश, आर.एस. चौधरी, संयुक्त निदेशक, पंचायतीराज, उत्तर प्रदेश, अभय कुमार शाही, संयुक्त निदेशकध्नोडल, पंचायतीराज, उत्तर प्रदेश द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।इस सेमिनार में ममता वर्मा, संयुक्त सचिव, पंचायतीराज मंत्रालय, भारत सरकार, वी.के. भसीन, भूतपूर्व लॉ सचिव एवं समिति सदस्य, डॉ. अनीता ब्रैंडन, यूएन.एफ.पी.ए. ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया। राज्य के त्रि–स्तरीय पंचायतों से 40 महिला प्रतिनिधि और झारखंड, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों से निर्वाचित महिला पंचायत प्रतिनिधिगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इसके अलावा, महिला आयोग और सहयोगी संस्थाएं सेंटर फॉर कैटेलाइजिंग चेंज (ठ3) और यूनीसेफ के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।कार्यशाला के दौरान प्रॉक्सी प्रथाओं, आई.ई.सी. अभियान, लिंग भेदभाव और पंचायतों में श्प्रधान पतिश् की प्रॉक्सी प्रथाओं को समाप्त करने के उपायों पर खुली चर्चा की गई। साथ ही, उत्तर प्रदेश पंचायतीराज अधिनियम 1947 की धारा 15 और धारा 95 (1)(छ) के तहत ग्राम पंचायत के कार्य, प्रधान को पद से हटाए जाने के प्रावधानों और महिला ग्राम प्रधानों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी गई।कार्यक्रम के समापन में पंचायतीराज विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों और मिशन शक्ति के तहत महिलाओं के क्षमता संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की गई। इस सेमिनार का समापन निदेशक, पंचायतीराज द्वारा उद्बोधन और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।द्वितीय दिवस, 20.12.2024 को समिति के सदस्य लखनऊ जनपद के विकास खण्ड– माल की ग्राम पंचायत अटारी का भ्रमण करेंगे और पंचायत के हितधारकों के साथ बैठक कर वार्तालाप करेंगे।

सीएम योगी बोले- सुशासन का प्रतीक माने जाते हैं अटल बिहारी वाजपेयी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन का प्रतीक माने जाते हैं। योगी ने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता को स्थिरता में बदलना, सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करना, देश के अंदर अंत्योदय योजना लाना, हर गरीब–वंचित को अधिकार दिलाना, अंत्योदय कार्ड–राशन उपलब्ध कराना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना पेश करना, अनुसूचित जाति–जनजाति या पिछड़े वर्ग को उनके अधिकार दिलाना और स्वर्णिम चतुर्भुज, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा व हाईवे अटल जी की देन है। एक बयान के मुताबिक, योगी ने बृहस्पतिवार को संगीत नाटक अकादमी में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ किया। उन्होंने अटल के व्यक्तित्व पर लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ व अवलोकन किया। अटल के जन्मदिवस की 100वीं वर्षगांठ पर 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह मनाया जाएगा। योगी ने कहा, भारत मां के महान सपूत, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह जन्म शताब्दी वर्ष है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आज से पूरे देश में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ हो रहा है। अटल की पैतृक जन्मभूमि उत्तर प्रदेश है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि के रूप में भी उत्तर प्रदेश को ही चुना। उन्होंने कहा, अटल ने बलरामपुर और लखनऊ से कई बार संसद में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। विदेश मंत्री, प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्होंने देश को सक्षम नेतृत्व प्रदान किया। अटल कवि, पत्रकार, साहित्यकार व राजनेता थे। वह सबको साथ लेकर चलने का सामर्थ्य रखते थे। उन्हें भारतीय राजनीति का अजातशत्रु कहा जाता था। योगी ने कहा, आज से हर जनपद में कार्यक्रम शुरू हुए हैं, जो सप्ताह भर (25 दिसंबर तक) चलेंगे। स्कूली बच्चों के लिए सुशासन पर निबंध लेखन, उच्च शिक्षा स्तर पर भाषण, पेंटिंग प्रतियोगिता, ग्रामीण क्षेत्र में संगोष्ठी का आयोजन हो रहा है। विजेताओं को 25 दिसंबर को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 25 दिसंबर की शाम को हर जनपद के स्कूल–कॉलेज में अटल की कविताओं पर आधारित काव्य संध्या भी होगी, जिसमें नवोदित कवि प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

अखिलेश ने बीजेपी पर साधा निशाना, कहा जिनका मन 'विद्वेष' से भरा है, वो 'देश' क्या चलाएंगे...

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र के भारी हंगामे के साथ अनिश्चित काल काल के लिए स्थगित कर दिया गया है। डॉक्टर आंबेडकर पर अमित शाह द्वारा की टिप्पणी को लेकर राजनीति भी गरमा गई। समूचा विपक्ष अमित शाह से माफी मांग की बात कर रहा है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर लिखा, जिनका मन 'विद्वेष' से भरा है, वो 'देश' क्या चलाएंगे। आज जो हुआ वो सिर्फ बाबासाहेब का ही नहीं, उनके दिये संविधान का भी अपमान है। ये भाजपा की नकारात्मक मानसिकता का एक और चरम बिंदु है। देश ने आज जान लिया है कि भाजपाइयों के मन में बाबासाहेब को लेकर कितनी कटुता भरी है। भाजपाई बाबासाहेब के बनाए संविधान को अपना सबसे बड़ा विरोधी मानते हैं क्योंकि उनको लगता है कि वो जिस प्रकार गरीब, वंचित, दमित का शोषण करके, उनके ऊपर अपना प्रभुत्व कायम करना चाहते हैं, उनकी इस बद मंशा के आगे संविधान ढाल बनकर खड़ा है। गौरतलब है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संसद में दलितों के मसीहा डॉ. अंबेडकर पर अपमार्जक टिप्पणी करने के आरोप में पूरा विपक्ष माफी मांगने की बात कर रहा है।

उत्तर प्रदेश में क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत योजनाओं का विमोचन

लखनऊ(संवाददाता) में ताज होटल में आज पंचायतीराज, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ और हज मंत्री ओम प्रकाश राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने 43 ग्राम पंचायतों के लिए क्लाइमेट स्मार्ट कार्ययोजना और प्रदेश की लगभग 58,000 ग्राम पंचायतों के लिए क्लाइमेट स्मार्ट ग्राम पंचायत कार्य योजना (ब्ब्च्।च्) के विकास हेतु फ्रेमवर्क और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का विमोचन किया। साथ ही, अयोध्या के लिए सिटी क्लाइमेट एक्शन प्लान भी औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया।इस अवसर पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि यह विमोचन उत्तर प्रदेश को क्लाइमेट स्मार्ट बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने जलवायु लचीलापन और कार्यवाही को नीति में शामिल करने के महत्व पर बल दिया, ताकि संतुलित विकास और पर्यावरणीय सामंजस्य सुनिश्चित हो सके। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को गंभीरता से लेते हुए सभी से इस दिशा में योगदान देने की अपील की और पंचायती राज विभाग की ओर से पूरी मदद का आश्वासन दिया।मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों पर त्वरित कार्यवाही की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह पहल ग्रामीण स्तर पर जलवायु कार्यवाही को मजबूत करेगी और एसओपी के माध्यम से इसका बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा, जो राज्य के सतत भविष्य के दृष्टिकोण से मेल खाता है।कृषि विभाग के प्रमुख सचिव रविंद्र नायक ने जलवायु परिवर्तन के कृषि पर पड़ने वाले प्रभावों को रेखांकित किया और इसके समाधान के लिए सक्रिय प्रयासों की आवश्यकता जताई। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव सुशांत शर्मा ने जलवायु एक्शन प्लान्स और एसओपी के महत्व को समझाया और निजी क्षेत्र की भागीदारी पर जोर दिया।वसुधा फाउंडेशन के सीईओ श्रीनिवास कृष्णस्वामी ने बताया कि ग्राम पंचायत एक्शन प्लान्स और एसओपी एक अभिनव पहल है जो जलवायु कार्यवाही को स्थानीय स्तर पर लागू करने पर केंद्रित है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की लगभग 58,000 ग्राम पंचायतों में इस कार्यान्वयन को तेज करने के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम की योजना साझा की।ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और यह विश्वास जताया कि उनके प्रयासों से उनकी पंचायतें जलवायु स्मार्ट बन जाएंगी।

यूपी विधानसभा सत्रः गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर सपाइयों ने किया जमकर हंगामा

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानमंडल शीतकालीन सत्र का आज चौथा दिन है। सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई। कार्यवाही शुरू होते ही समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। सपा नेताओं ने गृहमंत्री अमित शाह के संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर पर दिए गए बयान पर जमकर हंगामा किया और नारेबाजी की। सपा सदस्य विधानसभा में डॉ. अंबेडकर की फोटो लेकर पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। बता दें कि तमाम सपा विधायक हाथ में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की तस्वीरों और स्लोगन वाली तख्तियां लिए नजर आए। बाबा साहेब के अपमान को लेकर आज सदन में बड़ा हंगामा हो सकता है। इससे पूर्व सपा की महत्वपूर्ण बैठक भी हुई। शिवपाल यादव और नेता सदन माता प्रसाद पांडे एक साथ सपा कार्यालय से बाहर निकले।

कांग्रेस मुख्यालय पर प्रभात पांडे को दी गई श्रद्धांजलि,

आक्रोशित कांग्रेसियों ने फूंका सीएम योगी का पुतला, आग में झुलसा एनएसआई कार्यकर्ता

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के कांग्रेस कार्यालय पर पार्टी के युवा नेता प्रभात पांडे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, महासचिव अविनाश पांडे सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यालय पार्टी मुख्यालय पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे। श्रद्धांजलि समारोह के दौरान पुलिस के रवैये के चलते कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गुस्सा भड़क गया। पुलिस के रवैये के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुतला फूंक दिया। पुतला फूकने के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। एनएसयूआई का कार्यकर्ता अक्षत सिंह आग की चपेट में आ गया और झुलस गया। बता दें कि कांग्रेस नेता प्रभात पांडे की मौत के मामले में देर रात पुलिस ने अपने आप को क्लीन चिट देते हुए हत्या का मुकदमा कांग्रेस के लोगों पर ही दर्ज कर दिया और अपना पल्ला झाड़ लिया। पुलिस के इस रवैये और सरकार के रवैये को लेकर कांग्रेस के लोगों में नाराजगी है। इसी नाराजगी को व्यक्त करने के लिए कांग्रेसियों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस मामले पर महासचिव अविनाश पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस के दोहरे रवैए से कांग्रेसियों में रोष है। पुलिस अपना दामन साफ करने में जुटी हुई है। ये सब कहीं ना कहीं सरकार द्वारा सोची समझी साजिश है। वहीं हमारे प्रभात पांडे 18 दिसंबर को विधानसभा घेराव व सरकार की नीतियों खिलाफ विरोध प्रदर्शन में आए हुए थे। 18 दिसंबर को जहां एक तरफ विधानसभा घेराव को लेकर प्रदेश भर से कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंचे थे। वहीं दूसरी तरफ सभी जिलों के पुलिस प्रशासन द्वारा कांग्रेसियों को नोटिस थमाया गया था। साथे ही उन्हें घरों में रहने की हिदायत दी गई। इसके बावजूद हजारों की संख्या में कांग्रेसी कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर विधानसभा घेराव को कूच करने लगे। इस बीच लखनऊ कमिश्नर पुलिस द्वारा चारों तरफ नुकीली बेरीकेटिंग लगा दी गई। जिससे विधानसभा घेराव को रोका जा सके। इन सब के बीच कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभात पांडे की दुखद मौत हो गई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में शोक का माहौल है।

लखनऊरू उत्तर प्रदेश, मणिपुर, बिहार और छत्तीसगढ़ के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

लखनऊ (संवाददाता)उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग ने मणिपुर, बिहार और छत्तीसगढ़ के साथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन (डवन) पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय भी इस महत्वपूर्ण आयोजन में उपस्थित रहे।कार्यक्रम का आयोजन उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी, गोमती नगर में हुआ, जहां पर्यटन मंत्री श्री जयवीर सिंह ने कहा कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का यह मंत्र देश की सांस्कृतिक विविधता और धरोहर को एकजुट करने का अवसर प्रदान करता है। यह समझौता ज्ञापन देशवासियों के बीच एकता और अखण्डता की भावना को प्रगाढ़ करेगा और सांस्कृतिक आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करेगा। जयवीर सिंह ने बताया कि इस समझौते के तहत उत्तर प्रदेश के कलाकार अन्य राज्यों में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे और अन्य राज्यों के कलाकार उत्तर प्रदेश में आकर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। यह आदान–प्रदान केवल राज्यों के बीच ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी कलाकारों को उत्तर प्रदेश बुलाकर सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को मजबूत करने का कार्य करेगा।इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, जिसमें थांग टा नृत्य, थौगल जागोइ नृत्य, झिझिया नृत्य, जट जटिन सामा नृत्य और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' नृत्य नाटिका का मंचन किया गया, जिसने इस समझौते के महत्व को और भी अधिक दर्शाया।कार्यक्रम में प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम, मणिपुर कला संस्कृति आयुक्त श्री एम जॉय सिंह, छत्तीसगढ़ के उप निदेशक संस्कृति श्री प्रताप परख, विशेष सचिव संस्कृति विभाग श्री रवीन्द्र कुमार–1 और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हजरतगंज पुलिस ने चोरों के गैंग का पर्दाफाश, 16 मोबाइल फोन बरामद

लखनऊ(संवाददाता)रू राजधानी की हजरतगंज पुलिस ने गुरुवार को दुकानों के शटर काटकर चोरी करने वाले गैंग का चौबीस घंटे के भीतर पर्दाफाश कर लिया। पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 16 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में दो पेशेवर चोर शामिल हैं जिन पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।पुलिस के अनुसार, आरोपी अलग–अलग शहरों में जाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। ख्याली गंज कोतवाली कैसरबाग के रहने वाले जीशान पुत्र अब्दुल जब्बार की हजरतगंज क्षेत्र में मोबाइल की दुकान है। उन्होंने मंगलवार रात चोरी की घटना की जानकारी दी, जब अज्ञात चोरों ने उनकी दुकान का शटर काटकर 16 मोबाइल फोन चोरी कर लिए थे। दुकानदार ने सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपे थे। पुलिस ने सीसीटीवी और सर्विलांस की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की और बुधवार रात उन्हें लक्ष्मण मेला मैदान के पास गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपियों की पहचान बछरावां रायबरेली के आशीष कुमार यादव उर्फ पन्नू रिसिया बहराइच के छोटू उर्फ विक्रम निषाद और पीडब्लूडी कालोनी राजभवन गेट एक के सत्येंद्र कुमार जायसवाल उर्फ विक्की के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपियों के पास से 16 एंड्रॉयड फोन और एक आईफोन बरामद किया।पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने अलग–अलग जिलों में चोरी की घटनाएं की हैं। आशीष पर लखनऊ के विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं जबकि छोटू उर्फ विक्रम पर बहराइच और लखनऊ में कुल 12 मुकदमे दर्ज हैं।प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह ने बताया कि यह गैंग पेशेवर चोरों का समूह था, जो दुकान के शटर तोड़कर कैश और कीमती सामान चोरी करता था। घटना के बाद चोरी किए गए सामान को जल्दी बेचने की योजना बनाई जाती थी।

विधानभवन में नवीनी×त प्रेस रूम का उद्घाटन, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया संवाद

लखनऊ(संवाददाता)रू उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना और काबीना मंत्री डॉ. संजय निषाद आज विधानभवन स्थित नवीनीकृत प्रेस रूम पहुंचे और पत्रकारों से संवाद किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी, सचिव भारत सिंह और अन्य पदाधिकारियों ने मंत्रियों का स्वागत किया।उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की सोच के अनुसार नवीनीकृत प्रेस रूम को भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रेस रूम की सुविधाएं बेहतर हुई हैं और इसका विस्तार भी किया गया है, जिससे अधिक संख्या में पत्रकार साथी यहां बैठकर कार्य कर सकेंगे।

अमित शाह की टिप्पणी से बाबा साहेब की गरिमा को ठेस पहुंची है, वह अपना बयान वापस लें: मायावती

लखनऊ,संवाददाता। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी के बाद सियासत गरमा गई है। इस पर बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक बयान जारी करते हुए कहा कि अमित शाह की टिप्पणी से बीआर आंबेडकर की गरिमा को ठेस पहुंची है उनके अनुयायी आहत हैं उन्हें टिप्पणी वापस लेनी चाहिए। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह से अपना बयान वापस लेने की मांग की है। बाबा साहेब के अनुयायी अमित शाह को कभी माफ नहीं करेंगे और भाजपा की कोई भी चाल कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भी हमेशा डॉ. आंबेडकर का विरोध किया है। खुद बाबा साहेब ने भी दलितों को कांग्रेस से दूर रहने की सलाह दी थी। इससे पहले मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा था कि दलितों व अन्य उपेक्षितों के लिए एकमात्र इनके भगवान केवल बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर हैं जिनकी वजह से ही इन वर्गों को जिस दिन संविधान में कानूनी अधिकार मिले हैं तो उसी दिन इन वर्गों को सात जन्मों तक का स्वर्ग मिल गया था। अमित शाह की टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर लिखा, जिनका मन 'विद्वेष' से भरा है, वो 'देश' क्या चलाएंगे। आज जो हुआ वो सिर्फ बाबासाहेब का ही नहीं, उनके दिये संविधान का भी अपमान है। ये भाजपा की नकारात्मक मानसिकता का एक और चरम बिंदु है। देश ने आज जान लिया है कि भाजपाइयों के मन में बाबासाहेब को लेकर कितनी कटुता भरी है। भाजपाई बाबासाहेब के बनाए संविधान को अपना सबसे बड़ा विरोधी मानते हैं क्योंकि उनको लगता है कि वो जिस प्रकार गरीब, वंचित, दमित का शोषण करके, उनके ऊपर अपना प्रभुत्व कायम करना चाहते हैं उनकी इस बद मंशा के आगे संविधान ढाल बनकर खड़ा है।

आईजीआरएस की शिकायतों का सभी विभाग समय से करें निस्तारण : चन्द्र विजय सिंह

-डीएम ने विकास एवं निर्माण योजनाओं के प्रगति की किया समीक्षा बैठक

अयोध्या(एजेंसी)। मुख्यमंत्री कमाण्ड सेन्टर द्वारा सीएम डैशबोर्ड के फ्लैगशिप प्रोजक्टों की नवंबर 2024 की जारी रैंकिंग के आधार पर विकास एवं निर्माण सम्बंधी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गयी है। जिलाधिकारी ने जनकल्याणकारी योजनाओं के आवेदनों का नियमित सत्यापन कराने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने सिंचाई विभाग को सिल्ट सफाई के सत्यापन हेतु सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन ग्रामीण से सम्बंधित अधिकारियों को फील्ड विजिट करने तथा प्रतिमाह लक्ष्यों को निर्धारित कर समय पर पूर्ण करने एवं जिन-जिन स्थानों पर सड़क कटिंग का कार्य किया जा रहा है उसको ठीक कराने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में अस्पतालों में एक्सरे, सिटी स्कैन सहित अन्य उपकरणों आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने विकास प्राधिकरण को सड़कों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य को पूरा करने तथा निराश्रित गोवंश का अभियान चलाकर उनको आश्रय स्थलों तक पहुंचाने के निर्देश सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आई0जी0आर0एस0 की शिकायतों का समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। इसके साथ-साथ डी0पी0आर0ओ0, कृषि, नेडा, निर्माण कार्यदायी संस्था यथा-यूपीपीसीएल, राजकीय निर्माण निगम, पर्यटन विभाग, आवास विकास, सेतु निगम आर0ई0एस0, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, सहित अन्य संस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुये कार्य को गुणवत्ता पूर्ण व समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान अतिरिक्त ऊर्जा विभाग के तहत संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना एवं सोलर स्ट्रीट लाइट वी0के0एस0 ग्राम उन्नति योजना, उद्यान विभाग के अन्तर्गत एकीकृत बागवानी विकास मिशन एवं पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरिगेशन, ऊर्जा विभाग के अन्तर्गत खराब ट्रांसफार्मरों की शिकायतें, दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे ग्रामीण व शहरी, विद्युत बिलों में सुधार हेतु आवेदन, कृषि विभाग के अन्तर्गत कृषि रक्षा, रसायन, डीवीटी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, बीज डीबीटी की समीक्षा की गयी। इसके साथ ही ग्राम्य विकास, ग्रामीण अभियंत्रण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, दुग्ध विकास, दिव्यांग सशक्तिकरण, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, नियोजन, पंचायती राज, पर्यटन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, प्राथमिक शिक्षा, पशुधन, पिछड़ा वर्ग कल्याण, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, माध्यमिक शिक्षा, युवा कल्याण, लोक निर्माण, व्यवसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमिता, श्रम एवं सेवायोजन, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम, समाज कल्याण, सहकारिता, सिंचाई एवं जलसंसाधन व लोक शिकायत विभाग के अन्तर्गत संचालित परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजय जैन, जिला विकास अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला पंचायती राज अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष पर आज होंगे विविध आयोजन

अयोध्या(एजेंसी)। काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष पर वृहस्पतिवार 19 दिसंबर को विविध आयोजन होंगे। काकोरी एक्शन के 97वें वर्ष पर सिविल लाइंस फैजाबाद स्थित प्रेस क्लब में शहादत दिवस पर देश की अनेकों जानीं मानी हस्तियां शामिल होंगी। इसमें नर्मदा बचाओ आंदोलन की प्रमुख मेधा पाटकर, वैज्ञानिक,शायर, लेखक तथा फिल्मकार गौहर रजा, क्रांतिकारी इतिहास लेखक सुभाष चन्द्र कुशवाहा, अमर शहीद अशफाक उल्ला खां के प्रपौत्र शादाब उल्ला खां प्रमुख हैं।अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान द्वारा आयोजित इस समारोह में संस्थान द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के पुरस्कार, यतीमखाना, गुरुकुल तथा मूक-बधिर स्कूल के छात्रों को सहायता राशि एवं अंध विद्यालय के बच्चों को वस्त्र प्रदान किया जाएगा। काकोरी एक्शन 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास दस क्रांतिकारियों द्वारा ट्रेन से सरकारी खाजाना लूटने की घटना के लिए जाना जाता है।यह सभी क्रांतिकारी गतिविधियों से देश को आजाद कराने वाले विचार के युवा थे। इस घटना का मुकदमा लखनऊ स्थित एक थिएटर में चलाया गया और चार क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई गई। इसमें जेल से भाग जाने की शंका से सबसे कम उम्र के क्रांतिकारी राजेन्द्र लाहिड़ी को गोण्डा जेल में 17 दिसंबर को फांसी दे दी गई। जबकि शेष तीन लोगों को 19 दिसंबर 1927 को फैजाबाद में अशफाक उल्ला खां इलाहाबाद में ठाकुर रोशन सिंह तथा गोरखपुर में पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को फांसी पर लटका दिया गया। क्रांतिकारियों के इस संगठन ने देश की आजादी के बाद देश और समाज की योजना बनाई तथा उसे जनता तक पहुंचाया। अशफाक उल्ला खां ने कहा "अगर हिंदुस्तान आजाद हो जाएं और बजाय गोरे आकाओं के हमारे वतनी भाई सल्तनत व हूकूमत की बागडोर अपने हाथ में लें लें और तफरीको – तमीज,गरीब व अमीर, जमींदार व कास्तकार में रहें तो ऐ खुदा मुझे एसी आजादी उस वक्त तक न देना जब तक मुल्क में मसावात कायम न हो जाए। मेरे इन ख्यालात से मुझको इस्तिराकी समझा जाए तो मुझे इसकी कोई फिकर नहीं – मैं हिंदुस्तान की एसी आजादी का ख्वाहिशमंद था जिसमें गरीब खुश और आराम से रहते और सब बराबर होते।खुदा मेरे बाद वह दिन जरूर लाए जबकि छतर मंजिल लखनऊ में अब्दुल्ला मिस्त्री और धनिया चमार, किसान भी मिस्टर खलीकुज्जमा और जगत नारायण मुल्ला व राजा साहब महमूदाबाद के सामने कुर्सी पर बैठे नजर आएं। संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्य कांत पाण्डेय ने कहा कि संस्थान क्रांतिकारी शहीदों का विचार नयी पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए संकल्पित होकर आयोजनों को पिछले 26 वर्षों से करता रहा है। और इसी उद्देश्य से प्रतियोगी परीक्षाओं का हर साल आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि स्वतंत्रता संग्राम में काकोरी एक्शन मील का पत्थर साबित हुआ।

आजादी की दोनों लड़ाई में शामिल रहने वाले राम देव दूबे का निधन

सोहावल- अयोध्या(एजेंसी)।आजादी के बाद भारत पाकिस्तान के बीच हुए दो युद्ध में हिस्सा लेकर सेना में हवलदार पद से रिटायर हुये देश के लाल किला कपासी निवासी राम देव दूबे पुत्र स्व. इंद्रपाल दूबे उम्र लगभग 85 वर्ष का मंगलवार की रात पैतृक गांव में निधन हो गया। कुछ दिनों से बीमार चल रहे दूबे का इलाज लखनऊ के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। वहां से जवाब होने के बाद परिजन घर ले ले आये थे। बीती रात 9 बजे अंतिम सांस ली।

25 जुलाई 1942 में जन्मे दूबे ने सिकंदराबाद रेजीमेंट के जरिए अगस्त 1963 में लिपिक के पद से सेना को ज्वाइन किया था। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए 1971 और 1975 दोनों युद्ध में सक्रिय भागीदारी निभाई। सेवाकाल पूरा कर 24 जुलाई 1980 में हवलदार के पद पर रहते हुए रिटायरमेंट ले लिया। पत्नी शीला दुबे उर्फ शोभावती सहित एक पुत्र अविनाश दूबे और तीन शादीशुदा पुत्रियां पीछे छोड़ गये।दूबे के निधन की सूचना पाकर घर पहुंचे डोगरा रेजीमेंट से हवलदार सुनील कुमार नेतृत्व कर रहे सूबेदार विवेक कुमार के साथ शमा शर्मा,सागर सिंह वर्मा ने दिवंगत देश के लाल की पत्नी को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा सौंपा और शव यात्रा के दौरान कंधा दिया। पूरे सैनिक सम्मान के साथ विदा किए गए दूबे का अंतिम संस्कार पवित्र सरयू तट ढेमवा घाट पर किया गया। यहां इनके पुत्र ने मुखाग्नि दी। सेना की तरफ से पुष्प चक्र चढ़ाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग व ग्रामीण मौजूद रहे। जिन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

दीपांशी, अशिता ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीती ट्राफी

अयोध्या(एजेंसी)। नगर की साहबगंज निवासी व कनौसा स्कूल में अध्ययनरत दीपांशी सहाय व अशिता सहाय ने गणित कैलकुलेशन पर आधारित यूसीमास की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में ट्रॉफी जीत कर शहर का मान बढ़ाया है।

देश की राजधानी दिल्ली के दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में आयोजित यूसीमास की अंतरराष्ट्रीयध्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दोनों बेटियों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा के बल पर शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर थर्ड रनर अप का खिताब जीता है। प्रतियोगिता में जीत के उपरांत इन्हें ट्रॉफी व प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया गया। कनौसा कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज की कक्षा 7 की छात्रा दीपांशी सहाय व कनौसा कान्वेंट प्राइमरी स्कूल की कक्षा 4 की छात्रा अशिता सहाय कि इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्रधानाचार्या क्रमशः सिस्टर लिन्डा थोमस व सिस्टर प्रिया गुल्टा मिंज ने हर्ष व्यक्त किया है। सिस्टर लिन्डा थोमस ने प्रार्थना सभा में मंच पर बुलाकर दीपांशी को सम्मानित करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ये हम सब के लिए गर्व की बात है कि हमारे स्कूल की बेटी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर पुरस्कार जीता है।सिस्टर ने कनौसा कान्वेंट की सभी छात्राओं को इसी तरह आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

यूसीमास सेंटर के अयोध्या फ्रेंचाइजी अमित रस्तोगी व उत्कर्ष रस्तोगी ने अपनी इन छात्राओं के अंतरराष्ट्रीयध्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विजयी होने पर बधाई देते हुए कहा है कि इनको सेंटर प्रांगण में भी ट्राफी देकर सम्मानित किया जाएगा। महिला कल्याण विभाग में कार्यरत व पत्रकार स्मिता सहाय श्रीवास्तव व दीप सहाय की पुत्रियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व टीचर्स को देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया है।

युवती के साथ दुष्कर्म करने वाला युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

मिल्कीपुर-अयोध्या(एजेंसी)। इनायत नगर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवती को मनचले युवक द्वारा घर में घुस कर हवस का शिकार बनाए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर केस दर्ज करके मामले में तत्परता दिखाते हुए घटना के कुछ घंटे बाद ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

इनायत नगर थाना की पुलिस चौकी हैरिंग्टनगंज क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया है कि मंगलवार को पति-पत्नी दोनों भेंड़ चराने गये थे। घर में उनकी बेटी को अकेली देखकर गांव निवासी अशोक कुमार यादव उनके घर में घुस आया और बेटी के साथ जबरन दुष्कर्म किया तथा बेटी को घटना की जानकारी किसी से न बताने की धमकी देते हुए भाग गया। शाम को जब पति-पत्नी वापस घर आये तो बेटी ने मां से रो-रोकर अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया। जिसके बाद युवती की मां इनायत नगर थाने पहुंच कर अशोक कुमार यादव के खिलाफ तहरीर देते हुए मामले में प्रभावी कार्यवाही किए जाने की मांग की, जिसके बाद प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने मामले में केस दर्ज करके आरोपी की तलाश शुरू कर दिया। पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए घटना के कुछ घंटे बाद ही खड़भड़िया तिराहे से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वही पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। आरोपी दो बच्चों का पिता भी है, जिसके खिलाफ इनायत थाने में पहले भी छेड़खानी का केस दर्ज है। जिसमें बीते 7 जुलाई 2024 को आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

सी.एम.एस. राजेन्द्र नगर प्रथम कैम्पस द्वारा दो-दिवसीय खेलकूद समारोह का भव्य आयोजन

लखनऊ, 20 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजेन्द्र नगर प्रथम कैम्पस द्वारा दो-दिवसीय अन्तर-विद्यालयी खेलकूद समारोह 'फन-ए-थॉन'का शुभारम्भ आज बड़े ही भव्य स्तर पर विद्यालय के खेल मैदान में हुआ। इस खेल समारोह में लखनऊ के विभिन्न विद्यालयों के मान्टेसरी से लेकर कक्षा-2 तक के छात्रों ने बड़े उत्साह से प्रतिभाग कर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में चुस्ती-फुर्ती, दमखम व कला-कौशल का भरपूर प्रदर्शन कर 'इण्डिया फिट एण्ड यंग का सन्देश दिया, तो वहीं दूसरी ओर उद्घाटन समारोह में विद्यालय के छात्रों ने शिक्षात्मक-सॉस्कृतिक कार्यक्रमों के शानदार प्रदर्शन से सभी का दिल जीत लिया। इससे पहले, मुख्य अतिथि सुश्री सुमन देवी, अन्तर्राष्ट्रीय एथलीट एवं कस्टम सुपरिन्टेन्डेन्ट, भारत सरकार एवं श्रीमती चित्रा वेंकटरमण, को-फाउण्डर एवं डायरेक्टर, एटीआईपीएल, ने मशाल प्रज्वलित कर खेल प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि सुश्री सुमन देवी ने कहा कि भावी पीढ़ी में उच्च जीवन मूल्यों के विकास में खेलों की अहम भूमिका है। मुख्य अतिथि श्रीमती चित्रा वेंकटरमण ने भी अपने सारगर्भित संबोधन में बाल खिलाड़ियों की खूब हौसलाअफजाई की।कार्यक्रम का शुभारम्भ सर्व-धर्म व विश्व शांति प्रार्थना के

प्रस्तुतीकरण से हुआ जिसके माध्यम से विश्व एकता व विश्व शान्ति का संदेश सारी दुनिया में प्रवाहित हुआ। । इसके बाद आज की निर्धारित प्रतियोगिताओं का दौर प्रारम्भ हुआ जिसमें खेल की विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक पदों के लिए बाल खिलाड़ियों के बीच पूरी जोर अजमाइस रही सी.एम.एस. राजेन्द्र नगर प्रथम कैम्पस की वरिष्ठ प्रधानाचार्या सुश्री जयश्री कृष्णन ने इस अवसर पर अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि छात्रों के बौद्धिक विकास के लिए शारीरिक विकास का होना अति आवश्यक है और यह खेलों द्वारा ही सम्भव है।

विधानसभा घेराव में जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-तमाम कांग्रेसियों को उनके घर में किया गया हाउस अरेस्ट

अयोध्या(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय राय के आह्वान पर प्रस्तावित विधानसभा घेराव कार्यक्रम में जा रहे जिले के कांग्रेसियों को पुलिस ने जगह-जगह रोक कर गिरफ्तार किया तथा जिले के तमाम कांग्रेसियों को उनके घर में हाउस अरेस्ट कर दिया गया। कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर गिरफ्तार किए गए जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रशासन की इस कदम को दमनकारी तथा लोकतंत्र विरोधीबताया। लखनऊ बाईपास रोड पर गिरफ्तार किए गए महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने कांग्रेस जनों की गिरफ्तारी पर कहा उत्तर प्रदेश सरकार अपने विरुद्ध उठाई गई हर आवाज को दबाना चाहती है। कौशलपुरी कॉलोनी से गिरफ्तार किए गए जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कहा प्रदेश की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। प्रदेश सरकार द्वारा कांग्रेस जनों का किया जा रहा दमन यह दर्शाता है की सरकार डरी और सहमी है। प्रशासन द्वारा महिला जिला अध्यक्ष रेनू राय ,कोषाध्यक्ष अब्दुल हकीम, रुद्र प्रताप सिंह रिशु, शिवपूजन पांडे, संजय तिवारी ,तेजबली पांडे ,विकास सिंह विकी ,शैलेश शुक्ला ,शैलेंद्र पांडे ,सेवा दल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा ,महिला नेता शालिनी पांडे, रामकरण कोरी,एससी एसटी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रामसागर रावत, ब्लॉक अध्यक्ष बीकापुर आशुतोष सिंह ब्लॉक अध्यक्ष मसौदा राहुल मौर्य, मिल्कीपुर ब्लॉक अध्यक्ष प्रशांत पांडे, रुदौली ब्लॉक अध्यक्ष सती प्रसाद, अमानीगंज ब्लाक अध्यक्ष तेजबली पांडे, अनिल तिवारी, अनिल सिंह, फ्लावर नकवी, ज्योति श्रीवास्तव,प्रदीप निषाद,डॉ अनन्त राम सिंह ,सुरेश राणा विधान सभा अध्यक्ष गोसाईगंज,धर्मेंद्र सिंह फास्टरपूर्व जिलाध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ, मिल्कीपुर ब्लॉक के,महेश पांडे, अमरीश पाण्डेय,डॉ राज बहादुर शुक्ला ,शुभम मिश्रा, राकेश यादव ,मोहम्मद अलीम खान ,शिवनारायण गुप्ता, शिव बहादुर दुबे, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप निषाद,शेर बहादुर दुबे, सुरेंद्र बहादुर वर्मा ,अंशुमान शुक्ला ,तेजबली पांडे ब्लॉक अध्यक्ष अमानीगंज, आदि तमाम नेताओं को उनके घर में ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया।

सूर्य नारायण सिंह अध्यक्ष व गिरीश चन्द्र तिपाठी का मंत्री पद पर कब्जा

-उपाध्यक्ष पद पर चंद्रभान सिंह व कोषाध्यक्ष पर वीरेंद्र मिश्र ने हासिल की जीत

-फैजाबाद बार एसोसिएशन चुनाव की मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

अयोध्या(एजेंसी)। फैजाबाद-अयोध्या बार एसोसिएशन के प्रतिष्ठापूर्ण अध्यक्ष पद पर सूर्य नारायण सिंह जबकि मंत्री पद पर गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने कब्जा किया है उपाध्यक्ष पद पर चंद्रभान सिंह व कोषाध्यक्ष पर वीरेंद्र मिश्र ने जीत हासिल की है। रिटर्निंग अफसर जोखू प्रसाद तिवारी ने बताया कि अध्यक्ष पद पर सूर्य नारायण सिंह 717 ने रनर रहे बब्बन प्रसाद चौबे 386 को 331 मतों से पराजित किया। इसके अलावा अरविंद कुमार सिंह को 291, मंसूरी इलाही को 104 राजीव पांडेय को 129 रामशंकर यादव 166 वाईवी मिश्रा 218 सुरेंद्रनाथ मिश्र उर्फ बबलू मिश्रा को 104 मतों से संतोष करना पड़ा। उपाध्यक्ष पद पर चंद्रभान सिंह 620 ने रनर रहे राजेश कुमार उपाध्याय 430 को 190 मतों से पराजित किया। इनके अलावा अंजनी कुमार त्रिपाठी उर्फ प्रभु जी 295 गोपाल कुमार उपाध्याय 193 दूधनाथ यादव 348 सुरेंद्र कुमार पांडेय 153 सुशील कुमार मिश्रा उर्फ चुन्नू को 50 मत मिला। महामंत्री पद पर गिरीश चंद्र तिवारी 739 ने शैलेंद्र कुमार जायसवाल 392 को 347 मतों से पराजित किया। इसके अलावा अजय कुमार श्रीवास्तव 327 मनोज कुमार सिंह 70 राजेश कुमार यादव 189 रविंद्र कुमार वर्मा 107 विनोद कुमार सिंह 137 विनोद चंद्र पांडेय 112 शेष कुमार तिवारी को मात्र 31 मतों से संतोष करना पड़ा। संयुक्त मंत्री प्रथम पर ऋषि कुमार मिश्रा 728 मत पाकर चुनाव जीते उनके अलावा भगवत प्रसाद पांडे को 405 मनोज कुमार सिंह को 612 और संतोष कुमार को 327 मत मिले। संयुक्त मंत्री द्वितीय पद पर राजीव तिवारी ने 762 मत पाकर जीत दर्ज की इनके अलावा अखंड प्रताप यादव को 678 अजय श्रीवास्तव को 464 राकेश कुमार को 149 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर वीरेंद्र कुमार मिश्रा 621 ने अशोक कुमार दुबे 573 को 48 मतों से पराजित किया। इनके अलावा जयप्रकाश पाल को 449 मोहम्मद इस्माइल सिद्दीकी को 422 वोट मिले। कार्यकारिणी ए पर दिलीप कुमार मिश्रा 1045 और पूर्णिमा सिंह ने 1196 मत पाकर जीत दर्ज की जबकि रामचंद्र यादव को 663 मतों से संतोष करना पड़ा। कार्यकारिणी बी पर अरविंद कुमार पांडेय 819 और ममता सिंह 930 मत पाकर विजई हुए जबकि बद्री प्रसाद यादव को 683 विपुल कुमार यादव 273 दुर्गा प्रसाद सिंह को 396 मतों से संतोष करना पड़ा। कार्यकारिणी सी पद पर माधव कृष्ण पांडेय उर्फ लकी 796 मत तथा मयंक कुमार तिवारी 764 मत पाकर विजई हुए इनके अलावा गोपाल त्रिपाठी को 450 प्रदीप कुमार श्रीवास्तव को 525 और मोहम्मद सलीम नैयर को 556 वोटो से संतोष करना पड़ा।

इण्टरनेशनल स्पोर्टस, आर्टस एण्ड म्यूजिक प्रतियोगिता 'सैम-2024' का दूसरा दिन

लखनऊ, 20 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, इन्दिरा नगर द्वितीय कैम्पस एवं अयोध्या रोड कैम्पस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पॉच दिवसीय इण्टरनेशनल स्पोर्टस, आर्टस एण्ड म्यूजिक प्रतियोगिता (सैम-2024) के दूसरे दिन आज नेपाल, श्रीलंका एवं देश के विभिन्न राज्यों से पधारे प्रतिभागी छात्रों ने विभिन्न रोचक व ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं के माध्यम से न सिर्फ अपने ज्ञान-विज्ञान व कलात्मक प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया अपितु एक-दूसरे के साथ अपने विचारों को भी साझा करते हुए विभिन्न देशों की संस्कृति व सभ्यता से भी रूबरू हुए।सैम-2024 के अन्तर्गत प्रतियोगिताओं का सिलसिला आज जूनियर वर्ग की सैम क्विजर्स से हुआ। प्रतियोगिता के प्रारम्भिक राउण्ड के उपरान्त 10 चयनित टीमों ने फाइनल राउण्ड में भाग लिया, जिसमें खेलकूद, कला व संगीत से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गये। प्रतिभागी छात्रों ने बिजली की गति से प्रश्नों के जवाब देकर अपने ज्ञान-विज्ञान का जोरदार प्रदर्शन किया। आज आयोजित सैम कुजीन कानसर्स (फायरलेस कुकिंग) प्रतियोगिता भी अत्यन्त आकर्षक रही, जिसमें देश-विदेश के प्रतिभागी छात्रों ने 'टेस्ट बड्स ऑन टूर - ए ब्लेंड ऑफ टू ग्लोबल कुजीन्स' थीम पर खानपान की रुचि का

प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रों ने विभिन्न देशों के लोकप्रिय व्यंजन को तैयार कर बहुत ही रचनात्मक तरीके से उनका प्रस्तुतिकरण किया एवं साथ ही निर्णायक मण्डल द्वारा पूछे गये सवालों का जवाब दिया। सैम-2024 के अन्तर्गत प्रतियोगिताओं का दौर कल 21 दिसम्बर को भी जारी रहेगा। कल आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में सैम क्विजर्स (क्विज), सैम कान्क्लेव, सैम स्कल्पटर्स (3डी मॉडल मेकिंग), सैम मेलिफ्लुअस मार्शल्स (मार्शल आर्ट) आदि प्रमुख है। श्री खन्ना ने बताया कि सैम-2024 की प्रतियोगिताओं हेतु देश-विदेश के छात्रों में इतनी जिज्ञासा और रुचि देखने को मिल रही है कि निश्चित ही यह बच्चे एक दिन नई खोज करेंगे और मानवता के लिए एक नया इतिहास रचेंगे।

महाकुम्भ 2025 में श्रद्धालुओं सुविधा के लिए टूर गाइड्स को किया जा रहा प्रशिक्षित

प्रयागराजध्महाकुंभ 2025 प्रयागराज में पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों की सुविधा हेतु गाइड ,वोटमैन, वेंडर्स, एवं टैक्सी ड्राइवरों को यातायात प्रशिक्षण कार्यक्रम मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान लखनऊ द्वारा प्रयागराज में होटल राही सिविल लाइंस में महाकुम्भ में सरल सुगम यातायात हेतु पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट के मार्गदर्शन में दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ में सुगम यातायात हेतु इंस्पेक्टर पवन कुमार पाण्डेय द्वारा यातायात के नियमों के बारे में जागरूक किया गया। उनके द्वारा बताया गया की जो भी श्रद्धालु जिस भी मार्ग से आ रहे हो उन्हे सुगमता पूर्वक संगम या अन्य स्नान घाट तक पहुंचाए और मेले में वाहनों को चौराहों से उचित दूरी पर खड़ा होने के लिए उनके ड्राइवरों को बताए और स्नेहपूर्वक श्रद्धालुओं से चौराहे पर न खड़े होने को

बताएं। मेले के निकटतम रेलवे स्टेशन के नाम वा दूरी की जानकारी अवश्य रखें साथ ही साथ क्षेत्र में ड्यूटी लगाई जाए उस सर्किल के एसएचओ,चौकी प्रभारी का नंबर जरूर सेव रखें मेले में किसी भी तरह के अफवाह को न फैलने दें जिससे भगदड़ की संभावना न होने पाए,यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति ,या कोई अप्रिय घटना घटित होती हैं तो आपने मोबाइल से अपना लाइव लोकेशन उच्च अधिकारियों को भेज कर डिटेल लिखकर अवगत कराएं। आपस के सहयोगी साथियों के साथ एक ग्रुप बना लें जो असुविधा हो आपस में समन्वय बनाए रखें, वसुधैव कुटुंबकम् सेवा भाव से मेले में जो भी नियम बनाए जाएंगे उसका पालन करें। जिस घाट पर छमता से अधिक भीड़ हो उन घाटों पर न जाने के श्रद्धालुओ से अपील करें और प्रशासन का सहयोग करें असुविधा होने पर मदद भी लेते रहें और शालीनता पूर्वक पालन कराएं। दूर दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के प्रमुख मार्ग का भी ध्यान रखें और उनकी भाषा से भी यह समझ लीजिए की ये व्यक्ति किस राज्य का होगा उसे उसी रूट के तरफ का रास्ता बताएं।हर रूट के वाहन पार्किंग की भी जानकारी याद रखने की आवश्यकता है अतिथि देवो भव की भावना से मेले में अपना योगदान दें।जो अपने सगे संबंधियों से बिछड़ गए हो उन्हे साउंड सिस्टम से पुकारा कराएं और भूले भटके शिविर में भेजवा दें,मेले के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों के वर्तमान नाम से ही नाम लें जिससे लोगों को सही स्थान तक ले जाया जा सके, संदिग्ध व्यक्तियों के दिखने पर प्रशासन को सूचना दें, जिससे मेले में किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए। आप सभी के अच्छे आचरण, ईमानदारी,प्रेम व्यवहार से ही मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के नजर में प्रायगराज की छवि उत्तम बन सकती हैं इसलिए आप सभी लोग प्रयागराज को मात्र मेले तक ही पर्यटन के केंद्र न बनने दें हमेशा था टूरिस्ट आए और जिससे प्रयागराज हमेशा टूरिस्ट का केंद्र बन जाए जिससे सभी को लाभ भी होगा। और देश विदेश में तीर्थराज प्रयागराज की अलग पहचान बनेगी। यह आयोजन प्रशिक्षण समन्वयक मनीष पाण्डेय के उपस्थिति में किया गया और प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तरी कर उनके सवाल के जवाब दिया गया।जिसमें समाज सेवी नितीश शुक्ल,सतेन्द्र कुमार, रजित कुमार उपस्थित रहे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 21 दिसंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

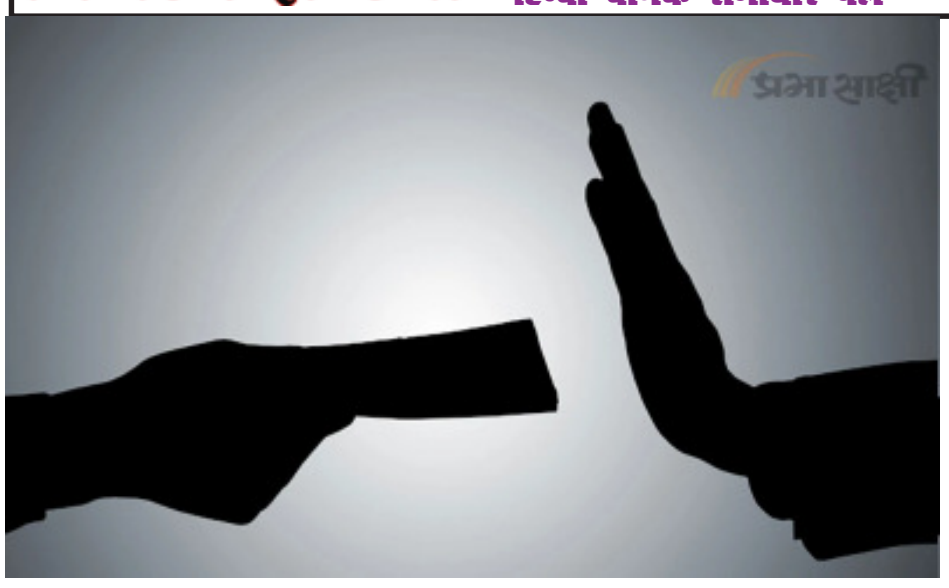

कुछ भी कहो, सरकारी तंत्र में नहीं घटा भ्रष्टाचार

अशोक मधुप ।

सरकारी एजेंसियों के साथ काम करते समय कंपनियों के काम जानबूझ कर रोके जाते हैं और रिश्वत लेने के बाद ही फाइल को मंजूरी दी जाती है। सीसीटीवी कैमरों लगाने से सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार कम नहीं हुआ है।केंद्र और भाजपा शासित राज्यों की सरकारें कितना ही भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का दावा करें किंतु सच्चाई इसके वितरीत है। एक सर्वे में दावा किया गया है कि 100 में से 66 लोगों को अपना काम कराने के लिए सरकारी तंत्र को रिश्वत देनी पड़ती है किंतु सच्चाई इसके विपरीत है। शायद ही कोई विभाग ऐसा होगा जहां बिना रिश्वत दिए काम हो जाए। सब जगह हालत बहुत खराब है। गैर भाजपा राज्यों की तरह भाजपा शासित राज्यों में भी प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचर का बोलबाला है। सरकारें मौन हैं।

देश में केंद्र और राज्य सरकारें कारोबार में सहूलियत और निजी क्षेत्र के निवेश में तेजी लाने पर जोर दे रहीं हैं। वहीं भ्रष्ट सरकारी मशीनरी अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल कंपनियों और उद्यमियों से अवैध तरीके से पैसे उगाहने में लगी हैं, जिसके चलते देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने की सिंगल विंडो क्लियरेंस और ईज आफ डुइंग बिजनेस जैसे प्रयासों को पलीता लग रहा है। एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि करीब 66 प्रतिशत कंपनियों को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए रिश्वत देनी पड़ती है। कंपनियों ने दावा किया कि उन्होंने सप्लायर क्वॉलीकेशन, कोटेशन, ऑर्डर प्राप्त करने तथा भुगतान के लिए रिश्वत दी है। लोकल सर्कल्स की रिपोर्ट के अनुसार कुल रिश्वत का 75 प्रतिशत कानूनी, माप–तौल, खाद्य, दवा, स्वास्थ्य आदि सरकारी विभागों के अधिकारियों को दी गई।

जांच रिपोर्ट कहती है कि कई कारोबारियों ने जीएसटी अधिकारियों, प्रदूषण विभाग, नगर निगम और बिजली विभाग को रिश्वत देने की भी सूचना दी है। पिछले 12 महीनों में जिन कंपनियों ने रिश्वत दी, उनमें से 54 प्रतिशत को ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि 46 प्रतिशत ने समय पर काम पूरा करने के लिए भुगतान किया। इस तरह की रिश्वत जबरन वसूली के बराबर है।

सरकारी एजेंसियों के साथ काम करते समय कंपनियों के काम जानबूझ कर रोके जाते हैं और रिश्वत लेने के बाद ही फाइल को मंजूरी दी जाती है। सीसीटीवी कैमरों लगाने से सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार कम नहीं हुआ है। सर्वे में दावा किया गया है कि सीसीटीवी से दूर, बंद दरवाजों के पीछे रिश्वत दी जाती है।रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि सरकारी ई–प्रोक्योरमेंट मार्केटप्लेस जैसी पहल भ्रष्टाचार को कम करने के लिए अच्छे कदम हैं, लेकिन सरकारी विभागों में रिश्वत लेने के रास्ते खुले हुए हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर डेलायट इंडिया के पार्टनर आकाश शर्मा ने कहना है कि बहुत सी कंपनियों को लगता है कि नीतियों और प्रक्रिया के मामलों में थोड़ा पैसा देते रहने नियम कानून के मोर्चे पर कड़ी जांच पड़ताल और जुर्माने से बच जाएंगे। सर्वे में 18,000 कारोबारियों के जवाब को शामिल किया गया है। सर्वे देश के 159 जिलों में हुआ है।व्यवसायों ने पिछले 12 महीनों में आपूर्तिकर्ता के रूप में अर्हता प्राप्त करने, कोटेशन और ऑर्डर सुरक्षित करने तथा भुगतान एकत्र करने के लिए विभिन्न प्रकार की संस्थाओं को रिश्वत देने की बात स्वीकार की है। यह सर्वेक्षण 22 मई से 30 नवंबर 2024 के बीच किया गया था। सर्वेक्षण में भाग लेने वाली व्यावसायिक फर्मों ने कहा कि 75 प्रतिशत रिश्वत कानूनी, मेट्रोलॉजी, खाद्य, औषधि, स्वास्थ्य आदि विभागों के अधिकारियों को दी गई।सरकारी विभागों को घूस देने वाले कारोबारियों का प्रतिशत इस प्रकार है। कानूनी, माप तौल, खाद्य, दवा और स्वास्थ्य विभाग– 75, लेबर और पीएफ विभाग– 69, संपत्ति और भूमि पंजीकरणदृ 68, जीएसटी अधिकारी– 62, प्रदूषण विभाग– 59, नगर निगम– 57, इनकम टैक्स– 47, अग्नि शमन– 45, पुलिस– 43, परिवहन– 42, बिजली– 41, आबकारी– 38।

ये आंकड़े कुछ भी हों, सच्चाई इससे भी बदतर है। ये बड़े स्तर की बात है। स्थानीय स्तर पर तो हालत इससे भी खराब है। भाजपा शासित प्रदेश वाले राज्यों में तो सपा.बसपा शासन काल में जहां गलत काम एक हजार रूपये में हो जाता था, अब भाजपा शासन में गलत काम तो होता ही नहीं, सही काम कराने के भी एक हजार की जगह बीस हजार रूपये दिए जाते हैं। बिजली के कनेक्शन के लिए आवेदन करिये। ये बहुत छोटा काम है, किंतु बिजली इंस्पेक्टर को रिश्वत दिए कनेक्शन स्वीकृत नहीं होगा। बिजली की फीटिंग किसी से भी कराएं किंतु बिजली विभाग के अधिकृत ठेकेदार से बिजली फीटिंग का प्रमाणपत्र लेना होता है। यही ठेकेदार बिजली इंस्पेक्टर का भाग भी आपसे ले लेता है। रजिस्ट्रार आफिस में धड़ल्ले से बैनामे की राशि का दो प्रतिशत वसूला जाता है। यह राशि अधिकारी सीधे नही लेते। बैनामा लिखने वाला कातिब लेता है। शाम को बैठकर आराम से दिन भर का लेन.देन हो जाता है। एनओसी देने वाले विभागों की तो हालत और भी खराब है। फायर विभाग के अधिकारियों ने तो अपने ठेकेदार रख लिए हैं। अग्नि सुरक्षा का सारा काम ये ही कराते हैं। इसके बाद भी एनओसी साइन करने के लिए लाखों रूपया वसूला जाता है। और तो और अग्निशमन अधिकारी एनओसी देने से पहले फायर उपकरण अपने चहेते ठेकेदार से सप्लाई कराते हैं। स्थानीय निकाय में निर्माण कार्यों में 45 से 55 प्रतिशत सरे आम कमीशन लिया जा रहा है।

केंद्र और प्रदेश सरकार के आदेश हैं कि सरकारी खरीद जेम पार्टल से हो। इसका भी रास्ता निकल गया। कंपनी के एजेंट अधिकारियों से मिलते हैं। कमीशन तै होता है। अधिकारी अपना जैम पोर्टल का पासवर्ड कंपनी के एजेंट को बता देते हैं। एजेंट पासवर्ड लेकर जैम पार्टल से ही अपनी फर्म से खरीदारी करता है। सामान के रेट में अधिकारियों का कमीशन जुड़ जाता है। सब वैसे ही चल रहा है। कहीं कुछ नहीं बदला। सरकार भ्रष्टाचार रोकने को आदेश बाद में करती है। अधिकारी और सप्लायर रास्ता पहले निकाल लेतें हैं। उत्तर प्रदेश में आदेश हो गए कि सामान प्रदेश स्तर से खरीदा जाएगा। अब काम और भी सरल हो गया। पहले जिलों में अधिकारियों से संपर्क कर माल सप्लाई होता था। अब अकेले प्रदेश स्तर में ही जुगाड़ करना पड़ता है। इसी का कारण है कि जिलों के अस्पतालों में वितरण के लिए वे दवाई आती हैं, जिनकी एक्सपायर डेट नजदीक होती है। दवा आने के साथ ही आदेश आते हैं कि दवा की एक्सपायर डेट नजदीक है। जल्दी बांटकर दवा खत्म करो। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को घटिया क्वालिटी के भोजन वितरण की शिकायत आम बात हैं किंतु कुछ होता नहीं। लेखक एक दिन दूधिए से बात कर रहा था। लेखक ने दूधिए से पूछा कि किसी को कुछ देना तो नहीं पड़ता। उसने कहा कि तीन इंस्पेक्टर हैं। दो प्रतिमाह 1500.1500 रूपये लेते हैं। और तीसरा दो हजार। मैंने पूछा कितने दूधिए हैं। उसने कहा कि बिजनौर जैसे छोटे शहर में तीन हजार दूधिए दूध सप्लाई करते हैं। पासपोर्ट के आवेदन के वेरीफिकेशन के लिए पुलिस और एलआइयू में जाकर देखिए। ऐसे ही पुलिस में चरित्र की जांच के लिए जाइए। बिना लिए.दिए कुछ नहीं होगा।भ्रष्टाचार की इससे बड़ी सीमा क्या होगी, कि अधिकारियों ने राइफल एसोसिएशन के नाम पर शास्त्रों के लाइसेंस बनाने पर 10 से 30 हजार रूपये तक कुछ जगह वसूलने शुरू कर दिए। शस्त्र नवीनीकरण पर तो शुल्क एसोसिएशन शुल्क लंबे समय से लिया जा रहा है। इस एसोसिएशन में जमा धन का न कोई हिसाब है न ही कोई आडिट। ऐसे ही जनपद के नाम पर कल्याण समिति बना ली। हैसियत और वारिसैन बनवाने आने वालों से बड़ी रकम वसूलनी शुरू कर दी। ये रकम अधिकारियों के ऐश.और आराम पर खर्च होने लगी। अधिकारियों की कोठी में थोक में एयर कंडीशन लगने लगे।

सम्पादकीय

कनाडा में सिख समुदाय आतंकियों के दबाव से त्रस्त

तेईस जून, 1985 को कनिष्क एअर इंडिया 182 विमान में उड़ते समय भयंकर विस्फोट हुआ जिससे हवाई जहाज अटलांटिक सागर में आयरलैंड के तटीय क्षेत्र के पास गिरा और उसमें सवार सभी 329 व्यक्ति मारे गए। इनमें से अधिकतर भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे।

जिन परिवारों के सदस्य मारे गए आज भी उन्हें न्याय नहीं मिला। इसके अतिरिक्त, यह भी समय–समय पर प्राप्त होने वाले तथ्यों से स्पष्ट होता रहा है कि यदि कनाडा की गुप्तचर और पुलिस एजेंसियों ने समुचित कार्रवाई की होती तो बड़ी संभावना यह होती कि इस हादसे को रोका जा सकता था।कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मंत्रालय ने ओंटारियो के पूर्व मंत्री बाब रे को इस त्रासदी की जांच का काम सौंपा था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि कनाडा गुप्तचर संस्थान (सीएसआईएस–कनाडियन सेक्युरिटी इंटेलीजेंस सर्विस) के अधिकारियों ने ऐसे दो खालिस्तानियों का पीछा किया जो उनके संदेह के दायरे में थे। दोनों एक टापूनुमा वीरान जंगली क्षेत्र में पहुंचे। यहां तक गुप्तचरों ने उनका पीछा किया। फिर जहां ये खालिस्तानी गए थे वहां से बड़े धमाके की आवाज आई। कोई बच्चा भी कहेगा कि इस धमाके की आवाज आने से पूछताछ की जरूरत और बढ़ गई थी पर इन गुप्तचरों ने ऐसा कुछ नहीं किया और आगे कोई कार्रवाई ही नहीं की। अब जब अन्य तथ्य सामने आ चुके हैं तो स्पष्ट है, जैसा कि जांच रिपोर्ट में भी कहा गया है, कि यह सुनसान इलाके में बम टेस्ट करने का प्रयास था क्योंकि दो वायुयानों में बम रखने की तैयारियां उस समय पूरे जोरों पर थीं। यदि समय पर इन खालिस्तानियों से भली–भांति पूछताछ कर ली जाती तो षडयंत्र को उसी समय रोक पाने की संभावना थी।

एक अन्य बड़ा मुद्दा है कि गुप्तचर एजेंसी सीएसआईएस ने पहले टेपों पर खालिस्तानी षडयंत्रकारियों की बहुत सी बातचीत रिकार्ड भी की थी और फिर इससे पहले कि इस रिकार्डिंग का समुचित विश्लेषण हो पाता, इनको नष्ट कर दिया गया। जांच रिपोर्ट ने इस बारे में इस केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस जैसिफसन की टिप्पणी की ओर ध्यान दिलाया है, जिन्होंने इसे ऐसी लापरवाही बताया था, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। आखिर, इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हो गई, इस पर चर्चा हुई तो सीएसआईएस का यह पक्ष सामने आया कि उसके एक एजेंट ने खालिस्तानी षडयंत्रकारियों में घुसपैठ कर ली थी, हालांकि कनिष्क हादसे से तीन दिन पहले उसे अलग कर लिया गया। सीएसआईएस का पक्ष, जो प्रकाशित रिपोटरे में बताया गया है (जैसा बीबीसी की एक रिपोर्ट में भी छपा) कि उसने अपने इस एजेंट के बचाव के लिए टेप नष्ट किए।

पर ज्यादा महत्त्वपूर्ण बात यह है कि एजेंट के पास जो जानकारी थी, उसका भरपूर उपयोग किया जाता तो इतना समय जरूर मिलता कि षडयंत्र का पता लगा कर उसे नाकाम कर दिया जाता। पर ऐसा नहीं हुआ। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जो जानकारी सीएसआईएस के पास होती थी वह कनाडियन पुलिस (आरसीएमपी) के साथ ठीक से शेयर नहीं की जाती थी। कनाडा के उच्च स्तर के कुछ सुरक्षा अधिकारियों ने इस बारे में गंभीर चिंता व्यक्त करनी आरंभ की कि कनाडा में बहुत से आतंकी संगठनों ने डेरा जमा लिया है।

सीएसआईएस के पूर्व अध्यक्ष वार्ड एलकाक ने अपनी उच्चस्तरीय जानकारी के आधार पर सीनेट की एक विशेष समिति को बताया कि अमेरिका को छोड़ दें तो किसी भी अन्य देश की अपेक्षा कनाडा में अधिक आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि उनका संस्थान सीएसआईएस की आतंक–विरोधी शाखा ऐसे 50 आतंकवादी संगठनों और इनसे जुड़े 350 व्यक्तियों की जांच कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि ये विभिन्न आतंकवादी संगठन आतंकवादी कार्रवाइयों में सहायता देते हैं, आतंकवाद के लिए धन एकत्र करते हैं, प्रोपेगंडा और असत्य (डिसइंफाम्रेशन) फैलाने के लिए विभिन्न समुदायों का दोहन–शोषण करते हैं, अप्रवासियों को डराते–धमकाते हैं, आतंकियों के लिए कनाडा में सुरक्षित शरण स्थलों की व्यवस्था करते हैं, आतंकियों की अमेरिका तक आने–जाने की व्यवस्था करते हैं, और अप्रवासियों की तस्करी करते हैं।

यह बयान कनाडा के फ्रेसर इंस्टीटयूट की अध्ययन रिपोर्ट में उपलब्ध है, जिसका शीर्षक है श्कनाडाज्यज इनएडिक्वेट रिस्पॉन्स टू टेररिज्म्य। रिपोर्ट के लेखक हैं मार्टिन कोलाकोट। रिपोर्ट में बताया गया है कि विभिन्न खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों के अतिरिक्त अनेक अन्य तरह के आतंकवादी संगठन भी कनाडा में सक्रिय हैं, और इनका संबंध अनेक अन्य चर्चित आतंकवादी हमलों से भी जुड़ा रहा है। रिपोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि कई महत्त्वपूर्ण संदभरे में कनाडा की सरकार आतंकवाद के नियंत्रण के लिए असरदार कदम उठाने में असमर्थ रही है। रिपोर्ट ने बताया है कि खतरनाक आतंकी संगठनों पर सरकार प्रतिबंध नहीं लगा सकी और यहां तक कि ऐसे कुछ संगठन परोपकारी कार्य का आवरण लगा कर अपना प्रसार करते हैं, उस पर भी काफी समय तक रोक नहीं लग सकी। उनके विरुद्ध असरदार कार्रवाई करने के बहुत कम उदाहरण कनाडा में देखे गए हैं।इतना ही नहीं, कुछ राजनीतिक दल और नेता भी अपने संकीर्ण स्वार्थी हितों के लिए ऐसी ढील देने की नीति अपनाते हैं। सीएसआईएस की रणनीतिक योजना के पूर्व मुख्य अधिकारी डेविड हैरिस से जब पूछा गया कि क्या कनाडा आतंकवादियों की सुरक्षित शरण स्थली बन रहा है, तो उन्होंने उत्तर दिया कि ऐसी आशंका का बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां 50 आतंकवादी संगठनों की उपस्थिति है, जिनमें से अनेक प्रमुख आतंकवादी संगठन हैं। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक स्टीवर्ट बेल ने एक पुस्तक लिखी है, जिसका शीर्षक है–श्कोल्ड टैरर–कनाडा नरचर्स एंड एक्सपोटर्स टैररिज्म थ्रूआउट द वर्ल्ड्य। इसमें उन्होंने लिखा है कि कनाडा की आतंकी समस्याओं के कारण बहुत हिंसा हुई है, लोग मारे गए हैं। इससे कनाडा में समस्याएं बढ़ गई हैं, और कुछ समुदायों पर उग्रवादियों ने अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है।

मेजर ग्रेग ले ने कनाडियन फोर्सेज कॉलेज के लिए एक अनुसंधान पत्र लिखा है, जिसका शीर्षक है, श्द इवॉल्यूशन ऑफ टैररिज्म इन कनाडा–इन्क्रीज्ड थ्रेट इन अ कल्चर ऑफ इनडिफेरेंस्य्। इस अध्ययन में लिखा है कि आतंकियों की हिंसक और जबरदस्ती वाली प्रवृत्तियों से कनाडा के सिख समुदाय की समस्याएं और दुख–दर्द बढ़ गए हैं।

हिन्दुत्व के सजग प्रहरी योगी

मत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों उस जज का समर्थन किया जिसने एक कार्यक्रम के दौरान इस्लाम धर्म के कठमुल्लों को खरी खोटी सुनाई थी। किसी भी धर्म के प्रति कट्टरता अच्छी नहीं होती। इस्लाम धर्म में भी कट्टरता दिखाने वालों को कठमुल्ला कहा जाता है। इनकी ही आलोचना करने वाले उस जज के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कुछ राजनीतिक दलों के नेता कर रहे हैं। योगी ने संभल में 47 साल पहले हुए दंगे के दौरान हिंदुओं के कत्लेआम और पलायन के बाद मंदिरों पर कब्जा कर ताला डालने को शर्मनाक अध्याय बताया है। इस प्रकरण पर योगी आदित्यनाथ की प्रतिक्रिया सबसे ज्यादा मार्मिक है।कुछ महीने पहले (मार्च 2024) की बात है जब बरेली के जज रवि कुमार दिवाकर की सीजेआई चंद्रचूड़ से शिकायत की गई। ऑल इंडिया लॉयर्स एसोसिएशंस फॉर जस्टिस ने सीजेआई चंद्रचूड़ को जज दिवाकर के खिलाफ शिकायत करते हुए कार्रवाई करने की मांग की थी। रवि कुमार दिवाकर ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा था कि सत्ता में धार्मिक व्यक्ति अच्छे परिणाम देता है। बता दें कि साल 2022 में जज दिवाकर ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वीडियोग्राफी करवाने का आदेश दिया था। साल 2010 में बरेली में हुई सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में मौलवी मौलाना तौकीर रजा को तलब करते हुए जज दिवाकर ने ये बातें कहीं कि शायद ही कभी भारत में दंगा भड़काने वाले मास्टरमाइंड को सजा मिलती है।

सीजेआई चंद्रचूड़ को लिखे गए लेटर में कहा गया था, देखा गया है कि सत्र न्यायालय के इस आदेश में मुस्लिम समुदाय के बारे में गलत रूढ़िवादिता और कट्टर धारणाओं को कायम रखने का असर है। इसके अलावा, इस आदेश ने न्याय के पैमाने को झुका दिया है, न्यायपालिका की स्वतंत्रता के स्वीकृत सिद्धांत का उल्लंघन किया है और न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है। यह न्यायिक अधिकारियों पर लागू होने वाले मानकों और मानदंडों का पालन करने यानी स्वतंत्रता, निष्पक्षता और औचित्य बनाए रखने में न्यायाधीश की घोर विफलता को दर्शाता है। आरोप लगाया गया कि जज ने मुस्लिम समुदाय के खिलाफ स्पष्ट पूर्वाग्रह और पूर्वाग्रह प्रकट करने वाले ये बयान देकर न्यायिक आचरण के बुनियादी मानकों को विफल कर दिया है। योगी ने जज दिवाकर की भी तारीफ की थी और उनके फैसले को उचित बताया था।इसके बाद इसी दिसंबर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बगैर नाम लिए हाई कोर्ट के जज शेखर यादव के बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सच बोलने वालों को धमकाया जा रहा है। ये लोग संविधान के नाम पर देश के सामने पाखंड कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की विरासत की चर्चा करने वाले व्यक्तियों को कुछ लोग धमकी दे रहे हैं। इन्हीं लोगों ने कुंभ की आध्यात्मिक और सामाजिक विरासत को भगदड़ और अराजकता का पर्याय बना दिया है। योगी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव का बगैर नाम लिये कहा कि एक न्यायमूर्ति ने सच कहा तो उन्हें कठघरे में खड़ा किया गया। सच बोलने वालों को धमकाया जा रहा है। यही लोग अब संविधान के नाम पर देश के सामने पाखंड कर रहे हैं।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले एक कार्यक्रम में जज शेखर यादव ने कहा था– मुझे यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि हिंदुस्तान देश के बहुसंख्यकों के हिसाब से चलेगा। यह कानून है। मैं यह बात हाई कोर्ट के जज के तौर पर नहीं बोल रहा। आप अपने परिवार या समाज को ही लीजिए कि जो बात ज्यादा लोगों को मंजूर होती है, उसे ही स्वीकार किया जाता है। लेकिन जो कठमुल्ला हैं, जिसे कह लीजिए आप, शब्द गलत है। लेकिन कहने में गुरेज नहीं है क्योंकि यह देश के लिए घातक है। जनता को भड़काने वाले लोग हैं। देश आगे न बढ़े, इस प्रकार के लोग हैं। उनसे सावधान रहने की जरूरत है।सीएम योगी आदित्यनाथ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव के बयान का समर्थन किया है। उन्होंने महाभियोग का नोटिस दिए जाने पर विपक्ष की आलोचना की है। सीएम योगी ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज ने एक बात कही। योगी ने कहा कि समान नागरिक संहिता तो होनी ही चाहिए और दुनिया के अंदर बहुसंख्यक समाज की भावनाओं का सम्मान तो हर हाल में होता है। दुनिया में अगर होता है तो उस सच्चाई को कोई बोलता है तो यह कौन सा अपराध हो गया। इन लोगों ने जज के खिलाफ भी महाभियोग का नोटिस दिया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव ने बीते दिनों प्रयागराज में आयोजित विश्व हिंदू परिषद की लीगल सेल के एक कार्यक्रम में यह कथित विवादित बयान दिया था। विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने जस्टिस शेखर कुमार यादव के हाल में दिए गए कथित 'विवादास्पद बयान' के लिए उनके खिलाफ महाभियोग चलाने के वास्ते राज्यसभा में नोटिस दिया है। महाभियोग के लिए 55 विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में दिए गए नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें कांग्रेस के कपिल सिब्बल, विवेक तन्खा और दिग्विजय सिंह, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के जॉन ब्रिटास, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मनोज कुमार झा और तृणमूल कांग्रेस के साकेत गोखले शामिल हैं।अब नये मामले सामने आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश स्थित वाराणसी के मदनपुरा में 40 साल पुराना मंदिर खोलने की मांग की जा रही है। इस पर योगी सरकार की पहली प्रतिक्रिया आई है,हिंदू संगठन के लोग वाराणसी के मदनपुरा क्षेत्र में सालों से बंद प्राचीन मंदिर खुलवाने पहुंचे थे। हिंदू संगठन के लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में तकरीबन 40 साल से यह मंदिर बंद था अब हमें यहां पर नियमित पूजा पाठ करने की इजाजत दी जाए। हिंदू संगठन शांति व्यवस्था कायम रखने के साथ पूजा पाठ करने की इजाजत मांग रहा है । सनातन रक्षा दल के पं अजय शर्मा मंदिर में लगे ताला खोलने के लिए पहुंचे थे। मदनपुरा घनी मुस्लिम आबादी के लिए जाना जाता है। इससे पहले संभल में 46 साल बाद खुले मंदिर के बगल स्थित घर के अवैध हिस्से में अतिक्रमण हटाने का काम शुरू हो गया है। हालांकि इस काम में प्रशासन ने अपना हाथ नहीं लगाया है। मकान मालिक मतीन अहमद ने खुद मजदूरों को बुलाया और उसे तुड़वाया। गत 14 दिसंबर को जिला पुलिस और प्रशासन द्वारा चलाए गए बिजली चोरी और अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान मंदिर की खोज की गई थी। जिलाधिकारी डॉक्टर राजेंद्र पेंसिया ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को चिट्ठी लिख कर मांग की है कि इसकी वैज्ञानिक जांच की जाए। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक एएसआई ने इस चिट्ठी पर कोई जवाब नहीं दिया था। उधर, मतीन अहमद के मकान की पैमाइश की गई थी। संभल और वाराणसी दोनों जगह स्थानीय निवासी सौहार्द बनाए हुए हैं लेकिन धर्म की सियासत करने वाले आग उगल रहे हैं। ¼fgQh½

डिम्पल यादव का कांग्रेस को इशारा

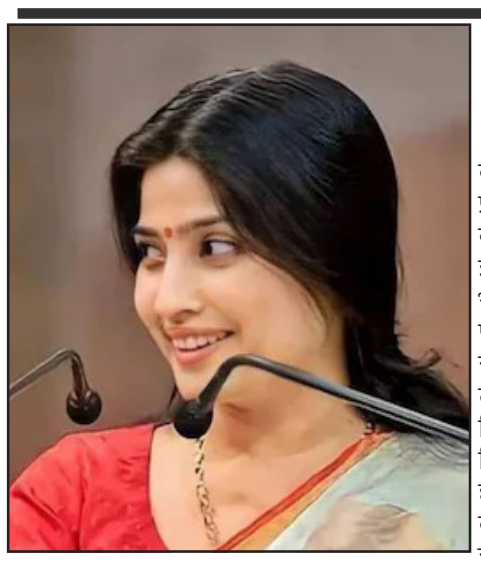

वडाणी समूह से जुड़े मामले पर कांग्रेस द्वारा लगातार जोर दिए जाने के बीच उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी की नेता डिंपल यादव ने 11 दिसंबर को कहा कि उनका दल न तो जॉर्ज सोरोस के मुद्दे के साथ है और न अडाणी के मुद्दे के साथ है। उनका बयान उस वक्त आया है जब कांग्रेस और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के कई घटक दल अदाणी मामले को लेकर संसद परिसर में रोजाना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सपा और तृणमूल कांग्रेस ने इन प्रदर्शनों से दूरी बना रखी है। इसी के चलते भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया है कि विपक्षी गठबंधन बिखर रहा है, हालांकि सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि गठबंधन एकजुट है। दरअसल समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा सियासी धमाका किया है। इसके चलते भी सपा को रणनीति बदलनी पड़ रही है। अल्पसंख्यक मुसलमानों का वोटबैंक भले ही बिखर गया है लेकिन सपा इसको अपना ही समझती है। यही कारण रहा कि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के विधायक ने बाबरी मस्जिद विध्वंस के समर्थन में विज्ञापन छपवाया तो सपा ने महाविकास अघाड़ी से नाता तोड़ने में देर नहीं लगाई। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की स्थिति अन्य राज्यों से अलग है। मध्य प्रदेश और हरियाणा में कांग्रेस ने सपा को एक भी सीट नहीं दी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन को लेकर तनाव रहा। इसके बावजूद सपा को वहां 2 विधायक मिले हैं। यूपी विधानसभा उपचुनाव में भी सपा और कांग्रेस के बीच खटास रही। सपा को 9 में सिर्फ 2 सीटों पर जीत मिलीं।

अब आजम खान ने भी एक मुद्दा उठाया है। वह इन दिनों सीतापुर जेल में बंद हैं। जेल से ही आजम खान का सियासी संदेश बाहर आया है। खास बात यह है कि आजम खान का यह संदेश समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अजय सागर की ओर से आधिकारिक लेटर पर सामने आया है, लेकिन इसके सुर ऐसे हैं, जो खुद सपा चीफ अखिलेश यादव को असहज कर सकते हैं। आजम खान के जेल से भेजे गए संदेश में लिखा गया है कि, समाजवादी पार्टी रामपुर में हुए जुल्म और बर्बादी का मुद्दा संसद में उतनी ही मजबूती से उठाए जितना संभल का क्योंकि रामपुर के सफल तजुर्बे के बाद ही संभल पर आक्रमण हुआ है। आजम खान कहते हैं, रामपुर की बर्बादी पर इंडिया गठबंधन खामोश तमाशाई बना रहा और मुस्लिम लीडरशिप को मिटाने पर काम करता रहा। इंडिया ब्लॉक को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी अन्यथा मुसलमानों को हालात और भविष्य पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

ध्यान रहे कि संभल की जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद अखिलेश यादव और सपा ने इस मुद्दे को मजबूती से संसद में उठाया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन, वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने भी संभल जाने की कोशिश की लेकिन प्रशासन ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी। विपक्ष संभल के मुद्दे पर योगी सरकार पर मुस्लिमों को निशाना बनाने का आरोप लगा रहा है, तभी आजम खान का यह सियासी संदेश बाहर आ गया है। यूपी में सपा और कांग्रेस, दोनों ही इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। ऐसे में अगर आजम खान यह कह रहे हैं कि इंडिया गठबंधन मुस्लिमों की बर्बादी का तमाशबीन है, तो निश्चित तौर पर इसे अखिलेश और कांग्रेस पर एक सियासी वार भी समझा जा सकता है। अब देखने वाली बात यह होगी कि इंडिया गठबंधन या अखिलेश यादव की तरफ से आजम खान के इस सियासी संदेश पर कैसी प्रतिक्रिया सामने आती है।

समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी से लोकसभा सदस्य डिंपल ने कहा कि संसद की कार्यवाही चलनी चाहिए और इसके लिए सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को प्रयास करना चाहिए। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, न हम सोरोस के मुद्दे के साथ हैं, न ही अडाणी जी के मुद्दे के साथ हैं। सदन को चलना चाहिए...हम चाहते हैं कि सदन चले।

संसद के शीतकालीन सत्र में अडाणी के मुद्दे को लेकर हो रहे हंगामे के बीच समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव का जब बयान सामने आया तब कांग्रेस पार्टी को तगड़ा झटका लग सकता है जो लगातार इस मुद्दे को लेकर संसद में हंगामा कर रही है और इस पर चर्चा की मांग कर रही है। डिम्पल ने कहा आज सदन चल रहा था.. और हमें उम्मीद है कि आगे भी सदन चलता रहे। हमारा मानना है कि सदन चलना चाहिए। हमें उम्मीद है कि दोनों पक्षों के लोग सदन के कामकाज के प्रति समर्पण दिखाएंगे। समाजवादी पार्टी चाहती है कि सदन चले। डिंपल यादव ने इस दौरान साफ कर दिया कि

संयुक्तविधि प्रवेश परीक्षा में प्रज्ञा सिंह ने किया टाप बधाई देने वालों का लगा तांता

मीरजापुर(आरएनएस)। संयुक्त विधि प्रवेश परीक्षा (क्लैट) की सम्पन्न हुई परीक्षा में प्रज्ञा सिंह ने टॉप कर घर–परिवार का मान बढ़ाया है। जिन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। प्रज्ञा सिंह ने इस परीक्षा में ऑल इंडिया 104 में से 104 रैंक हासिल किया है, जबकि उत्तर प्रदेश में इनका प्रथम रैंक बताया जा रहा है। प्रज्ञा सिंह मूलतः अलीगढ़ जनपद के इगलास थाना अंतर्गत मई गांव की मूल निवासिनी है। प्रज्ञा सिंह के पिता अरुण कुमार तोमर सिविल सेवा में है। प्रज्ञा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नेशनल कॉन्वेंट स्कूल मिर्जापुर व हाईस्कूल, इंटर की शिक्षा सैनिक स्कूल देहरादून से पूर्ण की है। कुशाग्र और शांत स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व की प्रज्ञा सिंह शुरू से ही पढ़ाई लिखाई में काफी होनहार बताई जाती हैं। अपनी इस सफलता और कामयाबी को वह अपने माता–पिता व गुरु को समर्पित करते हुए प्रज्ञा सिंह ने बताया कि इन्हीं लोगों के प्रेरणा और मेहनत सेवा इस मुकाम तक पहुंची हैं। (क्लैट) की सम्पन्न हुई परीक्षा में प्रज्ञा सिंह ने टॉप कर घर–परिवार का मान बढ़ाया है। जिन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। प्रज्ञा सिंह ने इस परीक्षा में ऑल इंडिया 104 में से 104 रैंक हासिल किया है, जबकि उत्तर प्रदेश में इनका प्रथम रैंक बताया जा रहा है। प्रज्ञा सिंह मूलतः अलीगढ़ जनपद के इगलास थाना अंतर्गत मई गांव की मूल निवासिनी है। प्रज्ञा सिंह के पिता अरुण कुमार तोमर सिविल सेवा में है। प्रज्ञा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नेशनल कॉन्वेंट स्कूल मिर्जापुर व हाईस्कूल, इंटर की शिक्षा सैनिक स्कूल देहरादून से पूर्ण की है। कुशाग्र और शांत स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व की प्रज्ञा सिंह शुरू से ही पढ़ाई लिखाई में काफी होनहार बताई जाती हैं। अपनी इस सफलता और कामयाबी को वह अपने माता–पिता व गुरु को समर्पित करते हुए प्रज्ञा सिंह ने बताया कि इन्हीं लोगों के प्रेरणा और मेहनत सेवा इस मुकाम तक पहुंची हैं। प्रज्ञा सिंह की इस कामयाबी पर उनके माता–पिता सहित उनके गांव परिवार में भी उन्हें बधाई देने वाले लोगों का तांता लगा हुआ है।

राज्यपाल का मीरजापुर आगमन आज, सुरक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

मीरजापुर(आरएनएस)। राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल महोदया का 19 दिसम्बर 2024 को जनपद के तहसील चुनार के ग्राम जंगलमोहाल में आयोजित कार्यक्रम भ्रमण के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने ग्राम जंगलमोहाल कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को हेलीपैड तैयार करने तथा उप जिलाधिकारी चुनार को कार्यक्रम स्थल हेतु अधिकारियों, कर्मचारियों, वीआईपी व मीडिया के बैठने, बैरीकेटिंग व मंच की व्यवस्था तथा कार्यक्रम को सकुशल व शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने हेतु सभी तैयारियां समय पूर्व कराने का निर्देश दिया। राज्यपाल के आयोजित कार्यक्रम लाभार्थीपरक योजनाओं के लाभार्थियों को वितरण व लाभार्थियों की सूची करने हेतु जिला विकास अधिकारी को निर्देशित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने ग्राम जंगलमोहाल के पंचायत भवन व अन्नपूर्णा भवन का निरीक्षण कर आस पास के सरकारी जमीनों की पैमाइश कराते हुए चिन्हित कर बाउंड्रीवाल कराने का निर्देश खण्ड विकास अधिकारी को दिया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी चुनार राजेश वर्मा, जिला विकास अधिकारी श्रवण कुमार राय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

नगर में चल रहे विकास कार्यों का नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने किया निरीक्षण

मीरजापुर(आरएनएस)। नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने नगर के विभिन्न वार्डो में चल रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।आयुक्त कार्यालय के बगल में बन रहे नवीन पार्क निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे,जहा उन्होंने पार्क के निर्माण को तेजी कराने के निर्देश दिए। घंटाघर वार्ड में स्थित बरियाघाट में निर्मित सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार,चेतगंज वार्ड में नाली मरम्मत, कवर एवं गैबीघाट के पास ओपन जिम कार्य का निरीक्षण किया।उत्तरी सबरी वार्ड के लालडिग्गी में स्थित राजकीय गांधी उद्यान पार्क में निरीक्षण कर वार्डो के आमजन से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

सदन में उठाया एमएलसी ने मुद्दा

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में बुधवार को भाजपा के जिला प्रभारी व एमएलसी अवनीश कुमार सिंह ने सरदार पटेल के नाम पर सूबे में अन्तर्राष्ट्रीय शोध संस्थान खोले जाने की मांग रखी। नियम 115 के तहत मांग रखते हुए अवनीश सिंह ने कहा कि सरदार पटेल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को अजर–अमर बनाने के लिए और उनके बारे में नई पीढ़ी को जागरूक करने के लिए बेहतर होगा कि पार्कों और सड़कों को सरदार पटेल के नाम से जाना जाए। गौरतलब है कि साल 2025 को देश पटेल के 150 वें जन्म जयंती वर्ष के तौर पर मना रहा है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सभी से इस मौके को भव्य बनाने का आवाहन किया है। बता दें कि सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर, 1875 को गुजरात के नडियाद में हुआ था. उनका जीवन और कार्य भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता वे भारत के पहले गृहमंत्री थे और देशी रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में सरदार का योगदान अतुलनीय है. सरदार पटेल को उनकी वीरता और दृढ़ निश्चय के लिए लौह पुरुष कहा जाता है. 562 छोटी–बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके सरदार ने भारतीय एकता का निर्माण किया।

एसडीएम ने किया सीएचसी का निरीक्षण, दिए निर्देष

बेलहारा, बाराबंकी (एजेंसी)। उपजिलाधिकारी फतेहपुर ने बीती मंगलवार की रात्रि को शासन के निर्देष पर सीएचसी फतेहपुर का निरीक्षण किया और वहां पर मौजूद स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को दिषा–निर्देष दिए। जानकारी के अनुसार, बीती मंगलवार की रात्रि को फतेहपुर के एसडीएम राजेश कुमार विष्वकर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर का औचक निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड में जाकर मौजूद मरीजों के परिजनों से स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में पूरी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में जाकर आकस्मिक ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों की उपस्थिति और स्टाफ की मौजूदगी के बारे में जानकारी लेते हुए उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में सभी कुछ संतोषजनक मिलने पर वह संतुष्ट नजर आए और स्वास्थ्य सुविधाओं को और भी बेहतर करने के लिए आकस्मिक ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉक्टर हिमांशु को निर्देश दिए। एसडीएम राजेश कुमार विष्वकर्मा ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार सीएचसी फतेहपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया इस दौरान सभी कुछ संतोषजनक मिला स्वास्थ्य सुविधाओं को और भी बेहतर करने के निर्देश दिए गए हैं।

दहेज उत्पीड़न, दो मामलों में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जांच शुरु

फतेहपुर–बाराबंकी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के अलग–अलग मामलों में आधा दर्जन लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिसमें पहला मामला मझगवां का है, दूसरा मामला रामनगर क्षेत्र के बनकी का है और वहीं तीसरा मामला बडडुपुर क्षेत्र के रहिलामऊ का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली फतेहपुर क्षेत्र के ग्राम मझगवां निवासी नन्दई ने अपनी पुत्री सोना देवी का विवाह तीन वर्ष पूर्व रामनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बनकी निवासी ननकू के साथ किया था। आरोप है कि विवाह के कुछ दिन बाद पति व ससुराल पक्ष के लोगों मे 50 हजार रूपया व मोटरसाइकिल की मांग करने लगे और महिला को प्रताडित करना शुरू कर दिया। आरोप है कि महिला का नन्दोई विजय कुमार उससे छेडछाड भी करता था। लेकिन महिला की कोई बात न सुनकर उसको व उसकी मासूम पुत्री समेत घर से भगा दिया। एक दिसंबर को सभी आरोपी महिला के घर पहुचे और उसको बुरी तरह से मारापीटा। इसी तरह ग्राम रंजीतपुर मजरे करौंदी निवासी सुशीला देवी का चार वर्ष पूर्व बड्डूपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रहिलामउ निवासी आकाश के साथ हुआ था। आरोप है कि उसके ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज की मांग को लेकर महिला का उत्पीडन शुरू कर दिया। महिला ने पति पर आरोप लगाते हुए बताया, उसका पति शराब पीने का आदी है जिसके चलते वह दूसरी महिला को घर लाने के पश्चात अपनी पत्नी को मई 2023 में घर से भगा दिया था। वही इसी क्षेत्र के ग्राम गोडियन पुरवा निवासी हरजीत सिंह ने अपनी पुत्री गुरूप्रीत कौर का विवाह 27 दिसंबर 2019 को ग्राम सरजा थाना तरसिक्का अमृतसर पंजाब निवासी राजवीर सिंह के साथ किया था। विवाह के बाद से महिला को ससुराल पक्ष के लोगों ने प्रतीडित करना शुरू कर दिया। कुछ दिन बाद उसका पति राजवीर नौकरी के सिलसिले में दुबई चला गया। उसके पश्चात महिला को ससुराल पक्ष के लोगों ने आये दिन मारना पीटना शुरू कर दिया। जिसकी जानकारी होने पर महिला का भाई उसको मायके ले आया। इस संबंध में कोतवाल डी.के सिंह ने बताया, कि दहेज प्रताडना को लेकर क्षेत्र से सम्बन्धित तीन मुकदमें दर्ज किए गए है पुलिस मामलों की जांच में जुटी हुई है।

किसानों की समस्याओं का होगा निदानः जिला कृषि अधिकारी

हैदरगढ़ में सम्पन्न हुई किसान गोष्ठी

हैदरगढ़, बाराबंकी (एजेंसी)। बुधवार को कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में सर्वप्रथम उपस्थित अधिकारियों एवं कृषकों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र पर प्रदर्शित तकनीकी खेती का भ्रमण एवं अवलोकन किया गया। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की उच्च उत्पादन तकनीकी के सम्बन्ध में मौके पर अवगत कराया गया। इसके उपरान्त कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में सर्वप्रथम जिला उद्यान अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, सहायक निबन्धक सहकारी समितियां, जिला कृषि रक्षा अधिकारी एवं उप कृषि निदेशक द्वारा अपनी विभागीय योजनाओं एवं योजनाओं के अन्तर्गत अनुमन्य सुविधाओं एवं अनुदान के सम्बन्ध में कृषकों को विस्तार से जानकारी दी गई। इसके उपरान्त उप कृषि निदेशक द्वारा विगत किसान दिवस में कृषकों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागों की अनुपालन आख्या से अवगत कराया गया। इसके उपरान्त कृषकों द्वारा विभिन्न विभागों से सम्बन्धित अपनी शिकायतें प्रस्तुत की गई, जिसमें मुख्य रूप से नहरों की सफाई में गुणवत्ता का ध्यान न रखे जाने तथा निकाली गई सिल्ट को सही शेप में न किये जाने के सम्बन्ध में अनुरोध किया गया कि नहरों की सफाई का सत्यापन कराकर गुणवत्ता सही पाये जाने पर ही सम्बन्धित ठेकेदार को भुगतान किया जाये। अधिकारियों द्वारा किसानों द्वारा उठायी गयी जन समस्याओं के निस्तारण के लिए आष्वासन दिया। किसान दिवस पर मुख्य रुप से डीडीसी रामबरन वर्मा, प्रगतिशील किसान राम किशोर पटेल, उप कृषि निदेशक बृजलाल, श्रवण कुमार, राजित राम, डा. अष्वनी कुमार, विजय कुमार, सौरभ कुमार, डा. धीरेन्द्र सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

किसानों की हर समस्याओं का होगा निदानः सत्येन्द्र कुमार

ग्राम ढकौली में फार्मर रजिस्ट्री केन्द्र का डीएम ने किया निरीक्षण, ग्रामीणों से की वार्ता

बाराबंकी (एजेंसी)। बुधवार को जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार विकास खण्ड बंकी की ग्राम पंचायत ढकौली में फार्मर रजिस्ट्री का औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर बोलते हुए जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने कहा कि किसानों की समस्याओं का निदान के लिए शासन और प्रषासन पूरी तरह से सक्रिय है। जिला प्रषासन का प्रयास है कि किसी भी किसान को अपनी समस्याओं के लिए दर–दर भटकना न पड़े। इसीलिए ग्राम स्तर पर प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपालों का आयोजन पूरे जनपद में किया जाता है। साथ ही में महीने के पहले बुधवार को ब्लाक दिवस का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें किसी भी किसान और गरीब व्यक्ति को अगर शासन स्तर से सम्बन्धित योजनाओं में कोई लाभ नही मिल रहा है और वह पात्र है तो इन्ही स्थानों पर सभी गरीबों की समस्याओं को ध्यान से सुना जाता है और इसका निदान किया जाता है। ग्राम पंचायत ढकौली के प्रभारी सोनू मिश्रा ने जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार को ग्राम पंचायत की कई समस्याओं से रुबरु कराया और उसके निदान की मांग भी रखी। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान आष्वासन दिया कि जो भी समस्या आप ने बतायी है उन सभी समस्याओं का निदान करवा दिया जायेगा। इसी बीच जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने वहां पर मौजूद एक बुजुर्ग महिला से वार्ता की और उनसे खैरियत पूछने के बाद यह कहा कि अगर कोई समस्या हो तो मुझे बताये उसका निदान करवा दूंगा। साथ ही में जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने एक गरीब परिवार के दो अनाथ बच्चों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ देने के लिए उनका नाम लिखा और यह कहा कि इन दोनो बच्चों को जल्द ही छात्रवृत्ति सरकार की तरफ से दी जायेगी। इस मौके पर खण्ड विकास अधिकारी बंकी संस्कृता मिश्रा के साथ में ग्राम पंचायत सचिव व अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

सेवा सुरक्षा संस्कार बजरंगदल का मूल कार्यः अखिलेष

विहिप की बैठक सम्पन्न

बाराबंकी (एजेंसी)। विष्व हिंदू परिषद की युवा इकाई बजरंग दल के द्वारा शौर्य दिवस के अवसर पर एक निजी गेस्ट हाउस में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बजरंग दल अवध प्रांत साप्ताहिक मिलन प्रमुख अखिलेश प्रताप ने कहा की सेवा सुरक्षा संस्कार बजरंग दल का मूल कार्य है। विभाग संगठन मंत्री इंद्रेश ने कहा कि हिंदू कन्या, गौ माता व हिंदुओं के मान बिंदुओं की रक्षा करना बजरंगियों का परम कर्तव्य है। इस मौके पर विहिप जिला मंत्री राहुल कुमार, बजरंग दल जिला संयोजक एंड. राहुल विक्रम सिंह, विभाग संयोजक अखंड प्रताप, प्रिंस वर्मा भरत तिवारी वीरेंद्र तुलसीराम भानु प्रताप शशांक राठौर सुधांशु राहुल वाल्मीकि विनोद आदि लोग मौजूद रहे।

डम्फर और ट्रैक्टर में भिड़ंत एक घायल

रामनगर बाराबंकी। राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच–28 सी पर कोतवाली रामनगर अंतर्गत बुधवार सुबह बिछलखा मोड़ के पास तेज रफ्तार डंफर ने धान लदी ट्रैक्टर ट्राली में जोरदार टक्कर मार दी जिसके चलते ट्रैक्टर पर सवार इंद्रसेन बुरी तरह से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर पहुंचाया। बुधवार सुबह ग्राम तेलियानी निवासी शैलेंद्र कुमार अपने साथी इंद्रसेन के साथ ट्रैक्टर ट्राली पर धान लादकर क्रय केंद्र पर तौल के लिए जा रहे थे। जैसे ही वह बिछलखा मोड के पास पहुंचे कि बाराबंकी की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डंफर ने धान लदे ट्राले में टक्कर मार दी। जिसके चलते ट्रैक्टर ट्राला हाईवे पर ही पलट गया उस पर बैठे इंद्रसेन बुरी तरह से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची रामनगर पुलिस ने घायल को सीएचसी भिजवाया तथा यातायात बहाली के लिए धान की बोरियों सहित ट्रैक्टर ट्राली व डंफर को क्रेन के जरिए हाईवे से हटवाया जिसके चलते घंटो जाम की स्थिति बनी रही। प्रभारी निरीक्षक रामनगर ने बताया घायल की हालत गंभीर देखते हुए रेफर कर दिया गया है जाम को हटवा कर यातायात चालू किया गया। लोधेष्वर महादेवा में सड़क चौड़ीकरण के लिए गिट्टी डालने का कार्य तेजी से शुरु है। मुख्य सड़क फरवरी में महाशिवरात्रि पर्व से पहले बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लोधेवर महादेवा तीर्थ स्थल पर फर्स्ट फेज में महादेवा चौकी से लोधौरा चौराहा होकर पेट्रोल टंकी तक सड़क दस मीटर चौड़ी गई है। अब पुलिस चौकी से लेकर केसरी पुर मोड़ तक करीब ढाई किमी सड़क भी दस मीटर चौड़ी होनी है जिसके लिए गिट्टी डालने का कार्य तेजी से हो रहा है। अधिशाषी अभियंता राजीव राय ने यंहा अरविन्द वर्मा, शैलेन्द्र पाल सहित अन्य जेई व एई को लगा रखा है ताकि तेज कार्य हो सके। मंगलवार को सड़क के चौड़ीकरण के लिए गिट्टी डालने का कार्य तेज गति से हो रहा था। रजनापुर मोड़ तक गिट्टी पड़ गई थी। जल्द ही पूरे रोड पर गिट्टी बिछा दी जएगी फिर रोलर चलेगा इसके बाद डामरीकरण होगा। सड़क बन जाने से रामनगर से महादेवा तक का यातायात अच्छा हो जाएगा और पैदल आने वाले कान्वरियों को बड़ी सुबिधा मिलेगी।

हरिनरायणपुर का कच्चा मार्ग ग्रामीणों के लिए मुसीबत, अधिकारी अंजान

रामनगर, बाराबंकी (एजेंसी)। मड़ना से अईमा होकर हरिनरायण पुर तक जाने वाला दो किमी कच्चा मार्ग अधिकारियो की उदासीनता से किसानो के लिए अनुपयोगी बना है। इसे पटवाकर एक जगह पुलिया बन जाए व एक जगह बनी पुलिया का सलोप बना दिया जाए तो तमाम किसानो को खेती बाड़ी करने में आसानी होगी। ब्लॉक रामनगर की ग्राम पंचायत मड़ना चौकाघाट मरकामऊ मार्ग पर है जंहा से पश्चिम एक कच्चा चक मार्ग होकर होकर हरिनरायण पुर गया है। दोनो मजरे इसी ग्राम पंचायत का हिस्सा है। यह कच्ची सड़क पांच साल पूर्व पटी थी जिसपर नौरहिया नाला पर एक पुलिया भी बनाई गई जो। उक्त पुलिया के दोनो एप्रोच नहीं बने जिससे वह अनुपयोगी बनी हुई है। चक मार्ग से उस पार किसान नहीं जा पा रहे है क्यो कि दोनो तरफ गहरे गड्ढे है। मड़ना गाँव से निकलते ही पश्चिम एक तालाब है जिसमे किनारे से यदि एक पुलिया नई बना दी जाए व पुरानी पुलिया का एप्रोच मिट्टी पाटकर बना दिया जाए तो सैकड़ो किसानो को खेती करने में बड़ी सुबिधा मिले। अभी खेत तक जाने मे हाइवे घूम कर चार किमी चलकर खेत तक कृषि यंत्र ट्रेक्टर आदि ले जाना पड़ रहा है। सीधा रास्ता बनाने में कोई अड़चन भी नही है मगर ब्लॉक के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है।

प्रत्याशी घर-घर जाकर मांग रहे वोट

वकील मतदाताओं की हो रही फजीहत

सोनभद्र(एजेंसी)। सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के निर्वाचन सत्र 2024-25 के लिए हो रहे मतदान के लिए 20 दिसंबर को मतदान कराया जाएगा और 21 दिसंबर को मतगणना के बाद विजयी पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी। बावजूद इसके अभी से ही प्रत्याशी समर्थकों के साथ घर – घर जाकर वोट मांग रहे हैं ,जिससे वकील मतदाताओं की फजीहत बढ़ गई है और चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है।

बता दें कि सिर्फ 10 पदों पर मतदान होना है,जिसमें अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी अरुण कुमार मिश्रा, अशोक प्रसाद श्रीवास्तव व ओम प्रकाश पाठक शामिल हैं। इसी प्रकार से वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी गोविंद प्रसाद मिश्र व शारदा प्रसाद मौर्या, महामंत्री पद के लिए तीन प्रत्याशी अखिलेश कुमार पांडेय, अरुण कुमार सिंघल व योगेश कुमार द्विवेदी, कोषाध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशियों आशीष कुमार मिश्र उर्फ मंटू, वंशीधर पांडेय व वीरेंद्र कुमार सिंह शामिल हैं। जबकि कोषाध्यक्ष पद पर सात प्रत्याशी अविनाश रंजन त्रिपाठी, आशीष कुमार पाल, कंचन, प्रमोद कुमार सिंह, रामशंकर चौधरी, राहुल जैन व श्याम किशोर मिश्र शामिल हैं। इन पदों के लिए 21 दिसंबर को मतदान कराया जाएगा और 22 दिसंबर को मतगणना के साथ ही विजयी पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी। शेष 13 पदों पर निर्विरोध निर्वाचन होना तय है। उधर प्रत्याशियों द्वारा समर्थकों के साथ वकील मतदाताओं से घर–घर जाकर संपर्क कर वोट मांगने की वजह से वकील मतदाता खासे परेशान हैं। क्योंकि करीब डेढ़ दर्जन प्रत्याशी समर्थकों के साथ बारी–बारी वकीलों के घर पहुंच रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी उस समय हो रही है जब ठंड में सोते समय प्रत्याशी घर पहुंच जा रहे हैं। वकील मतदाताओं का कहना है कि कचहरी में रोज मुलाकात होने के बाद भी लोग घर पहुंच रहे हैं। प्रत्याशियों को बगैर घर पहुंचे विश्वास ही नहीं हो रहा कि उन्हें वोट मिलेगा। फिलहाल चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है।

रोजगार मेला का आयोजन 20 को

सोनभद्र(एजेंसी) जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि जिला सेवा योजन कार्यालय, सोनभद्र द्वारा जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए 20 दिसम्बर 2024 को प्रातः 10:00 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबूबाग नर्सरी रोड (जिला सरकारी अस्पताल के सामने), लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है, जिसमें जिी क्षेत्र की लगभग 13 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी जिसमें उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम (सोनभद्र डिपो) में संविदा पर चालक की भर्ती, विजन इण्डिया सर्विसेज प्रा0 लि0, लैट्रीकस्टाफींग, नोएडा, मेराक्यू, दिल्ली, क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लि0, सोनभद्र, टैलेन्ट अप, नोएडा, शिवशक्ति एग्रीटेक, वाराणसी, महादेव हनुमत, वाराणसी, वोन इण्डिया सर्विस प्रा0 लि0, नोएडा, टाटा ए0आई0ए0, सोनभद्र, एन0एस0डी0सी0, वाराणसी, स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस प्रा0 लि0, सोनभद्र एवं मीडलैण्ड माइक्रोफीन, सोनभद्र इत्यादि कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्तियां की जाएगी। समस्त इच्छुक एवं योग्य बेरोजगार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार नियोजकों द्वारा जिला सेवा योजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला सरकारी अस्पताल के सामने), लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में लिया जायेगा। यह रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क है। इसहेतु कोई यात्रा व्यय देय नहीं होगा।

दुष्कर्म करने व जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दुद्धी सोनभद्र(एजेंसी)कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पूर्व विधायक हरि राम चेरों के बेटे मंगलम चेरों को दुद्धी पुलिस ने गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेज दिया है। पीड़िता 27 नवम्बर को थाना दुद्धी पर तहरीर देकर आरोप लगाया कि एक व्यक्ति मंगलम चेरों पुत्र हरिराम चेरों निवासी गड़दरवा, थाना हाथीनाला, ने शादी का झांसा देकर मेरे साथ कई बार दुष्कर्म कारित करने के साथ ही मुझे मारा–पीटा व जान से मारने की धमकी भी दी है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 115(2), 352, 351(3), 64(2)एम बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश के क्रम में बुधवार को पुलिस द्वारा स्थानीय थाना पर पंजीकृत अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त मंगलम चेरों पुत्र हरिराम चेरों निवासी गड़दरवा, थाना हाथीनाला, को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा दिया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह हे०का० अमरनाथ यादव का० अनुराग शामिल रह

पत्नी को बंधक बनाकर पति की गला रेतकर निर्मम हत्या

सिंगरौली(सोनभद्र)(एजेंसी)। गढ़वा थाना क्षेत्र के कसदा गांव में सुनसान जगह पर पत्नी को बंधक बनाकर पति की गला रेतकर निर्मम तरीके से हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि जगमार गांव निवासी बिंदू गोंड पिता रामरक्षा गोंड बाइक से अपनी पत्नी के साथ ससुराल से लौट रहा था। रात 8 बजे के करीब कसदा रोड पर स्थित पुल के पास पत्नी शौच करने के लिए झाड़ियों के पीछे गई, उसी समय कुछ लोग आए और युवक को घेरकर मारपीट करने लगे। पति की आवाज सुनकर पत्नी दौड़कर आई तो उन लोगों ने सिर पर शॉल डालकर और हाथ–पैर बांधकर उसे बंधक बना लिया तथा पति के गले पर धारदार हथियार से हमला कर उसे मौत के घाट उतार मौके से फरार हो गये। वारदात की सूचना मिलने के बाद गढ़वा थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई। धारदार हथियार से गले पर हमला कर पुल के नीचे फेंकाजानकारी के अनुसार पति–पत्नी कुछ दिन पहले ससुराल गये थे। मंगलवार को दोनों बाइक से घर आ रहे थे। तभी यह वारदात हो गई। बताया जा रहा है कि युवक के गले पर धारदार हथियार से हमला करने के बाद उसे पुल के नीचे फेंक दिया। महिला ने पुलिस को बताया कि वह सड़क पर पड़ी हुई थी, तभी आया एक बाइक वाला उसे नैकहवा तक लाने के बाद चला गया। युवक की पत्नी ने ही पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस हर बिंदु की जांच कर आरोपियों और घटना की वजह का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 21 दिसंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

चारागाह की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर प्रशासनिक कार्रवाई से हड़कंप, किसानों ने जतायी नाराजगी

लालगंज, प्रतापगढ़। प्रशासन द्वारा चारागाह की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को खाली करवाये जाने के फरमान पर हडकंप का माहौल दिखा है। लालगंज तहसील के सांगीपुर ब्लाक के रांकी गांव में ऊसर तथा चारागाह की जमीन पर तहसील प्रशासन ने अवैध कब्जे को खाली कराए जाने की मुहिम शुरू की है। हालांकि किसानों का कहना है कि बीते 1976 में भूमिहीन किसानों को इन जमीनों पर पटटा दिया गया था। किसानों के मुताबिक वह पिछले पचास वर्षो से आवंटित जमीन पर जुताई बुआई के जरिए जीविकोपार्जन करते आ रहे हैं। बुधवार की शाम एसडीएम तथा तहसीलदार समेत राजस्व एवं पुलिस अमला रांकी गांव पहुंचा और किसानों को सरकारी जमीन पर अपने कब्जे को खाली करने का फरमान सुनाया। गुरूवार को नाराज किसानों ने परिवार सहित खेतों पर पहुंचकर पटटे की नकल के साथ धरने पर बैठ गये। किसानों ने प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर आक्रोश दिखा। किसानों का यह भी आरोप है कि फसल के समय राजस्व महकमा उनसे पैसे की भी मांग किया करता है। किसानों की मांग है कि उन्हें कब्जे की जमीन के एवज में प्रशासन कहीं और पटटा दे अन्यथा वह खेत खाली नही करेंगे। विरोध जताने वाले पटटेदार बलवन्त, रंजना, सरजू देवी, फूलचंद्र, शिवप्रताप, शीतलादीन आदि का कहना है कि प्रशासन उन्हें परेशान कर रहा है। प्रभारी तहसीलदार पंकज कुमार का कहना है कि गांव में सैकड़ों बीघा चारागाह की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत हुई है। तहसीलदार के मुताबिक अवैध कब्जो को पहले भी खाली कराया गया था। इसके बावजूद फिर कब्जे की शिकायत पर सरकारी जमीन से अवैध कब्जे को हटवाया जा रहा है। तहसीलदार ने पटटे की कार्रवाई को भी फर्जी करार दिया है। वहीं उप जिलाधिकारी नैंनसी सिंह का कहना है कि चारागाह की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत पर जांच की जा रही है। सरकारी जमीन की सुरक्षा को लेकर सभी पहलुओं की जांच पड़ताल कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

भगवान की कथा समर्पण भाव से सुनना चाहिए-शिवम जी महराज

लालगंज, प्रतापगढ़। अठेहा बाजार में श्रीबालाजी धाम मंदिर के स्थापना दिवस पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी दिखी। स्थापना दिवस में भगवान की कथा का भी श्रद्धालुओ ने आनन्द उठाया। कथाव्यास श्री वृंदावन धाम के शिवम जी महराज ने कहा कि भगवान की कथा समर्पण भाव से सुनना चाहिए। उन्होने कहा कि मनुष्य को अपने आचरण में श्रीराम कथा के सार को निरूपित करना चाहिए। कार्यक्रम में सुनील मिश्र, जगप्रवेश मिश्र, रमेश सोनी, कपिल दुबे, रवि, अनुराग व अमन आदि मौजूद रहे।

कार्यकर्ता की मौत पर युवा इंकाईयों ने जताया दुःख, मुआवजे की मांग

लालगंज, प्रतापगढ़। लखनऊ में कांग्रेस के विधानसभा घेराव प्रदर्शन को लेकर पार्टी कार्यकर्ता की मौत पर यहां युवा कांग्रेसियों ने गुरूवार को शोक सभा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यकर्ताओं ने गोरखपुर युवा कांग्रेस के पूर्व सचिव प्रभात पाण्डेय के निधन पर दुख जताते हुए सरकार से मृतक आश्रित परिवार को एक करोड़ रूपये मुआवजा दिये जाने की मांग उठाई। बैठक की अध्यक्षता युवा कांग्रेस के रामपुर खास इकाई अध्यक्ष अभिनव शुक्ल व संचालन सोशल मीडिया प्रभारी सिंटू मिश्र ने किया। इस मौके पर चंदन पाण्डेय, शिवम पाण्डेय, वीरेन्द्र निर्मल, लवलेश पटेल, प्रिंस द्विवेदी, आशुतोष पाण्डेय, फरहान रजा, लकी सिंह आदि रहे।

पांच साल के मासूम की हत्या, कल हुआ था घर से लापता

सुल्तानपुर(एजेंसी)। पांच वर्षीय मासूम का शव घर से 100 मीटर दूर खंडहर में मिलने से हड़कंप मच गया है। गला रेतकर उसकी हत्या की गई है। मृतक मासूम बुधवार दोपहर से लापता था। पुलिस ने घटनास्थल पर जांच करते हुए शव को कब्जे में लिया है। घटना गोसाईंगंज थानाक्षेत्र के सोनवातारा गांव की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गोसाईंगंज के सोनवातारा निवासी अरविंद का पांच वर्षीय पुत्र अखिल बुधवार दोपहर 12 बजे घर से लापता हो गया। कुछ देर तक जब बच्चा नजर नहीं आया तो परिजनों ने तलाश शुरू किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला।

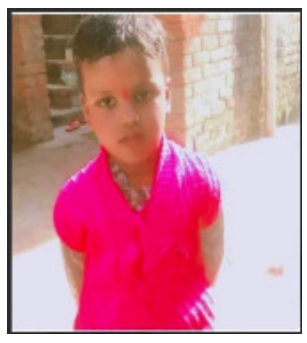

गुरुवार सुबह घर से सौ मीटर की दूरी पर स्थित श्याम लाल के खंडहर नुमा मकान में उसका शव पाया गया। बच्चे के गले पर धारदार हथियार के निशान मिले हैं। स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुटी हुई है। ग्रामीणों की सूचना पर गोसाईंगंज पुलिस और फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड की टीम घटना स्थल पर पहुंचकर जांच कर रही है। बताया जा रहा है मृतक मासूम कक्षा एक का छात्र था, उसके पिता परदेस में प्राइवेट नौकरी करता है। उधर सीओ जयसिंहपुर रमेश कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। थानाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया जांच कर रहे हैं, शव को पोस्टमार्टम में भेजा जा रहा है। परिजनों से तहरीर मिलते ही कार्रवाई की जाएगी। आपको बता के मृत बच्चे के दादा पूर्णवासी की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की है।

छात्र हित में महाविद्यालय को दिया दो लाख इक्यावन हजार की पुस्तके

कादीपुरध्सुलतानपुर(एजेंसी)। स्थानीय संत तुलसीदास पीजी कॉलेज कादीपुर में सत्यपथ फाउंडेशन के सीईओ विवेक तिवारी द्वारा दो लाख इक्यावन हजार की पुस्तके महाविद्यालय को उपहार स्वरूप प्रदान की गई। महाविद्यालय में आयोजित एक समारोह में इन पुस्तकों को विवेक तिवारी एवं प्रबंधक द्वारा छात्रों के हित में लोकार्पित की गई। बीए,एमए, बी एड, एम एड, बीएएससी, एमएससी, बीकॉम, एम कॉम आदि से संबंधित ये पुस्तकें महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। लोकार्पण के इस अवसर पर सर्वेश मिश्रा, राम विनय सिंह, विजयधर मिश्रा, डॉ रत्नेश त्रिपाठी, रितेश दुबे, डॉ एस बी सिंह, डॉक्टर मदन मोहन, डॉक्टर करुणेश प्रकाश प्रकाश भट्ट, डॉ विजय नारायण तिवारी, डॉ रविंद्र मिश्रा, डॉ सुरेंद्र तिवारी ,दीपक तिवारी, संजय मिश्रा आज समेत महाविद्यालय परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक सौरभ त्रिपाठी तथा समस्त महाविद्यालय परिवार ने विवेक तिवारी के प्रति आभार ज्ञापित किया एवं इस योगदान पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

साहसिक मुठभेड़ में अर्न्तजनपदीय बदमाश गोली से हुआ घायल, साठ हजार नकदी समेत सोने चांदी के जेवरात बरामद करने में भी मिली खाकी को सफलता

घायल बदमाश का पुलिस अभिरक्षा में जारी है इलाज, दो भेजे गये जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने साहसिक मुठभेड़ में अर्न्तजनपदीय बदमाश समेत तीन को धर दबोचा। एसपी डॉ. अनिल कुमार के द्वारा संचालित अपराध नियंत्रण अभियान के तहत लालगंज पुलिस को बुधवार की रात बडी सफलता हाथ लगी है। जिले के अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय तथा सीओ रामसूरत सोनकर व लालगंज कोतवाल नीरज यादव ने भारी फोर्स तथा स्पेशल टीम के साथ बदमाशों से लोहा लिया। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव फोर्स के साथ केशवपुर चौराहे पर चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग अभियान में जिले के अपर पुलिस अधीक्षक संजय राय तथा सीओ रामसूरत सोनकर भी स्पेशल टीम प्रभारी जयचंद्र भारती के साथ शामिल थे। इस बीच कोतवाली के सराय रायजू लोनी नदी से पहले एक भटठे के समीप बाइक सवार तीन लोग पुलिस को दिखे। पुलिस ने बाइक को रोकने का इशारा किया तब बदमाश भारी पुलिस जमावडा देख बाइक मोडकर भागने लगे। बदमाश हथियारों से लैस थे। पुलिस ने पीछा किया तो कुछ दूर पर बदमाश बाइक छोडकर भागने लगे। पुलिस ने लोनी नदी के कछार व जंगलों की तरफ बदमाशों को घेरने

का प्रयास किया। इस पर बदमाश पुलिस को गाली देते हुए जानलेवा हमकी के साथ फायरिंग करने लगे। पुलिस ने भी जबाबी फायरिंग की। फायरिंग मे एक बदमाश को पैर के नीचे घुटने मे गोली लग गयी। तब तक पुलिस ने घेराबंदी कर बदमाशों को कब्जे मे ले लिया। बदमाशों के पास से चोरी की बंदूक व चोरी गये काफी मात्रा में सोने चांदी के जेवरात, बर्तन व नकदी हाथ लगा। पकडे गये आरोपी की पहचान पडोसी जिले अमेठी के संग्रामपुर थाना के कालिकन निवासी शशिकान्त विश्वकर्मा उर्फ शशिप्रकाश 28 पुत्र ओंकारनाथ व अमेठी के ही संग्रामपुर थाना के सगरापुर निवासी गुरूदीन वर्मा 33 पुत्र विश्वनाथ वर्मा एवं सांगीपुर थाना के शाहबरी निवासी बबलू गौतम 28 पुत्र शंकर गौतम के रूप में हुई। इनमें पुलिस की जबाबी फायरिंग में शशिकांत विश्वकर्मा उर्फ शशिप्रकाश के पैर के घुटने मे गोली लगी है। बदमाशों के पास से एक तमंचा, चोरी की लाइसेंसी बदूंक, ढाई दर्जन जिंदा कारतूस व साठ हजार की नकदी व चोरी के सोने चांदी के जेवरात एवं बर्तन बरामद हुये। अर्न्तजनपदीय बदमाश शशिकांत विश्वकर्मा की पुलिस ने हकीकत खंगाली तो उस पर प्रतापगढ़ तथा अमेठी जिले के विभिन्न थानों में चोरी, डकैती, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट जैसे दो दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक मुदकमें दर्ज मिले। पुलिस ने घायल बदमाश शशिकांत विश्वकर्मा उर्फ शशिप्रकाश को अभिरक्षा में लालगंज ट्रामा सेण्टर ले आयी। यहां प्रारंभिक उपचार के बाद उसका जिला अस्तपाल में पुलिस अभिरक्षा में इलाज जारी बताया गया है। पुलिस के मुताबिक लाइसेंसी बंदूक जिले के अन्तू थाना निवासी बृजेश सिंह की है। वहीं पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास तथा आर्म्स एक्ट व आयुध अधिनियम समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। वही बदमाशो से बरामद बाइक को पुलिस ने सीज कर दिया है। पुलिस की इस बड़ी कामयाबी पर एसपी डॉ. अनिल कुमार ने मातहतों के साहसिक सफलता को सराहा है। एसपी डॉ. अनिल कुमार ने कहा है कि अपराध में संलिप्त अपराधियों को दबोचकर इन्हें शासन के जीरो टालरेंस नीति के तहत जेल भेजने का अभियान कडाई से जारी दिखेगा। वही गुरूवार को इलाके मे भी दिन भर पुलिस मुठभेड़ मे अर्न्तजनपदीय बदमाशों की गिरफ्तारी को लेकर लोगों में पुलिसिया कार्रवाई की सराहना भी होती दिखी।

डा. आम्बेडकर के अपमान के लिए क्षमायाचना के साथ फौरन इस्तीफा दें गृहमंत्री- प्रमोद तिवारी

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता ने मोदी सरकार पर लोकतांत्रिक मूल्यों को चोट पहुंचाने को लेकर किया तगड़ा हमला

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के अपमान को लेकर उनसे फौरन देश से सार्वजनिक तौर पर क्षमायाचना और त्याग पत्र की मांग की है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने भाषण में डॉ. आम्बेडकर के प्रति पूर्वाग्रह एवं अपमान का पूरी तरह से अनैतिक प्रदर्शन किया है। उन्होनें कहा कि गृह मंत्री का भाषण संसद की कार्रवाई के रिकार्ड पर है ऐसे में देश जानना चाहेगा कि डॉ. आम्बेडकर के प्रति अपमान प्रदर्शित करने के बावजूद गृह मंत्री अभी तक अपने पद पर कैसे बनें हुए हैं। उन्होने पीएम पर निशाना साधा कि वह संवैधानिक संस्थाओ को लगातार कमजोर बना रहे हैं। उन्होने कहा कि संविधान और इसके निर्माताओं के अपमान पर विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए मोदी सरकार हर जगह तथा हर फोरम पर भय व दहशत का माहौल बनाया करती है। राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा है कि भाजपा को लोकतांत्रिक मूल्यों मे विश्वास नही रह गया है। उन्होने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा संसद मे भी अंदर तथा बाहर संसदीय परम्पराओं व स्वस्थ लोकतंत्र पर आघात पहुंचाने से बाज नही आ रही है। उन्होनें कहा कि भाजपा का चार सौ पार के संसद में बहुमत लेने का एजेण्डा भी वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर पर्दाफाश हो उठा है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा संविधान संशोधन के जरिए अपने खतरनाक मंसूबे के तहत वन नेशन वन इलेक्शन की जगह वन नेशन वन लीडर का रख रही है। उन्होने कहा कि संसद के किसी भी सदन में संविधान संशोधन के लिए बहुमत न होने के बावजूद उसका यह शिगूफा देश की जनता का मुददो से ध्यान हटाने का गैरजिम्मेदाराना पन है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री

और भाजपा सिर्फ नेहरू फोबिया के अवसाद में राष्ट्रीय हितों के प्रति बेपरवाह बने हुए है। उन्होने कहा कि मोदी सरकार में चौपट हो रही अर्थव्यवस्था के चलते डॉलर के मुकाबले रूपये का रोज कमजोर पड़ना आम आदमी पर मंहगाई की तेज मार साबित हो रही है। यूपी में धार्मिक स्थलों के सर्वे को लेकर प्रतिक्रिया में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने सरकार को सुझाव दिया कि वह केन्द्र स्तर पर एक अलग मंत्रालय का सृजन करे। उन्होने कहा कि देश भर में देखभाल के अभाव में मंदिरो और मस्जिदो तथा गुरुद्वारों को चिन्हित कर सरकार ऐसे मंत्रालय के जरिए सरकारी खर्च पर इनके संरक्षण व रखरखाव का दायित्व निभाये। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी का बयान गुरूवार को यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

मानसिक बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों की मदद करेगी "एलएसयूएम" टीम

जिला जज की अगुवाई में सम्पन्न हुई दो दिवसीय ट्रेनिंग

सुल्तानपुर(एजेंसी)। जनपद न्यायालय के मीटिंग हॉल में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आज सम्पन्न हो गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मानसिक बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों और बौद्धिक अक्षमताओं वाले व्यक्तियों को विधिक सेवांए योजना–2024,पर विभिन्न विद्वानों ने प्रकाश डाला। प्रशिछण कार्यक्रम में जिला न्यायधीश लक्ष्मीकांत शुक्ल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया। बुधवार को उन्होंने पैनल लायर्सध्पैरा लीगल वालेंटियर्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसी भी कार्य को करने के लिए हर एक इंसान को दृण संकल्प करना जरुरी होता है। जिला जज श्री शुक्ल ने उदाहरण देते हुए कहा कि माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला बछेंद्री पाल, अरुणिमा सिन्हा, माउंटेन मैन दशरथ माझी, बिग बी अमिताभ बच्चन जैसे लोग आज लोगों के लिए रोल मॉडल हैं। जिन्होंने इच्छा शक्ति और मजबूत दृण संकल्प के जरिये मुकाम हांसिल किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्ति के परिजनों या उसके रिश्तेदारों की सहमति लेने के बाद उसकी मदद करनी चाहिए। मनोचिकित्सक डॉ सहाबुद्दीन अम्मार ने तमाम कानून की जानकारी को देते हुए बताया कि मानसिक रूप से अक्षम लोगों को वही अधिकार और रिजर्वेशन दिए जाने का प्रावधान है। जिससे दिव्यांग व्यक्ति समान जीवन जी सके। उन्होंने कहा कि छह से आठ साल तक के मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चे को मुफ्त में शिक्षा तथा न्यायिक अधिकार और सुविधा पाने का अधिकार है। डॉ अम्मार ने बताया कि विकसित और मानसिक रूप से अक्षम इलाज कर रहे व्यक्ति को पूरा अधिकार है कि उसे उसकी बीमारी की विस्तृत जानकारी दी जाए।मेंटल रोगी को उसी तरह इलाज मिलने का प्रावधान है जैसे शारीरिक बीमार व्यक्ति को। उन्होंने कहा कि कोई भी भर्ती मरीज अस्पताल में जिसे मिलाने से मना कर सकता है। चाहे मिलने वाले व्यक्ति को मन कर सकता है।चिकित्सक सहाबुद्दीन अम्मार ने जोड़ा कि आज मानसिक रोगी को कुछ विशेष परिस्थितियों को छोडकर करंट (ईसीटी) देना बंद हो गया है। उन्होंने कहा कि मेंटल हेल्थ केयर एक्ट में 18 साल से कम उम्र के बच्चे को करंट देना प्रतिबंधित है। उन्होंने कहा कि 21 डिसेबिलिटी की केटेगरी चिन्हित हैं जिसमें एसिड अटैक पीड़ितध्पीड़िता भी है। उन्होंने कहा कि विभिन्न कानूनी प्रावधानों में दिव्यांग व्यक्ति को आम इंसान जितने अधिकार प्राप्त हैं। इनसे छुआछूत की भावना नहीं रखनी चाहिए। चीफ एलएडीसी तारकेश्वर सिंह ने कहा कि नए कानूनी प्रावधानों के तहत असक्षम ,दिव्यांग व्यक्तियों को राष्ट्रीय लीगल सर्विस अथॉरिटी नाल्सा द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ देने के लिए बताया गया। सहायक एलईडीसी अंजलि कुमारी ने योजना क्रियान्वयन हेतु गठित समिति के सदस्यगण के लिए मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों और बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवाएं व योजना पर जानकारी साझा किया। बताया कि वालेंटियर्स और "एलएसयूएम" कार्यान्वयन के लिए कानूनी सेवा प्रदाताओं की भूमिकाएं और उनकी जिम्मेदारियाँ क्या रहेंगी। इस मौके पर चेयरपर्सन सीडब्लूसी आर.पी शुक्ला, राम नेवल यादव, संगम राय, पैनल लॉयर अमित कुमार पांडे, सूरसेन, पैरा लीगल वालेंटियर योगेश यादव, विपिन सिंह, बबिता, कल्पना, सोनाली मिश्रा, अर्चना सहित एलयूएसएम स्टाफ उपस्थित रहे।

दुद्धी में व्यापारियों की समस्याओं पर हुई विशेष चर्चा, अधिकारियों ने दिए समाधान के आश्वासन

दुद्धी(सोनभद्र)(एजेंसी)। जिलाधिकारी के निर्देश पर बुधवार को व्यापारी और प्रशासन के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन उत्तर प्रदेश जिला उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता और नगर अध्यक्ष अमरनाथ जायसवाल ने किया।

व्यापारियों से जुड़ी समस्याओं और समाधान पर चर्चा

कार्यक्रम में अधिशासी अभियंता (विद्युत उपखंड दुद्धी) तीर्थराज ने व्यापारियों को बिजली संबंधित मुद्दों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिजली कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन करें और 'एकमुश्त समाधान योजना' का लाभ 31 दिसंबर तक उठाएं। साथ ही, नगर में बिजली विस्तार कार्य में सहयोग की अपील की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी.एस. मंडलमूर्ति ने व्यापारियों से अपील की कि वे खाद्य पदार्थों में मिलावट न करें और अपनी दुकान का पंजीकरण एवं लाइसेंस अनिवार्य रूप से कराएं।

धड़ल्ले से चल रहा है खनन, रात दिन हो रहा अवैध खनन पुलिस बनी मूकदर्शक

सुल्तानपुर। प्रतापगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के अहिमाने रेलवे क्रासिंग के किनारे हफ्तों से धड़ल्ले से अवैध खनन चल रहा है। अवैध खनन करने वाले मालिकों की माफियागिरी का बोलबाला है। क्षेत्र के कुछ लोग नाम ना छापने की शर्त पर बताया की ट्रैक्टर ट्राली की आवाज से दिनभर खेती किसानी करने के बाद में रात का सोना भी दुश्वार बना हुआ है। दिन का आलम यह है कि रास्ते पर इतनी मिट्टी उड़ रही है कि चलना भी दुश्वार हो गया है। अवैध खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। कार्रवाई ना होने की दर से रात दिन मिट्टी की खुदाई कर रहे है।खनन माफियाओं द्वारा पुलिस से मिलकर अवैध खनन का कार्य कराया जा रहा था। सूचना देने पर पुलिस तो पहुंचती है, लेकिन कार्रवाई नही की जाती है। रोड पर गिरी मिट्टी का से बाइक से निकलना भी दुर्लभ बना हुआ हैं। कहीं ना कहीं अवैध खनन माफियाओं के हौसले सातवें आसमान पर दिखाई दे रहे है। यह घटना इस बात को उजागर करती है कि प्रशासन के सख्त निर्देशों के बावजूद, अवैध खनन माफिया अपनी गतिविधियों को पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत से अंजाम दे रहे हैं, ।

संभल में साथी अधिवक्ता की हत्या समेत उत्पीड़न पर गरजे वकील, किया विरोध प्रदर्शन

लालगंज, प्रतापगढ़। संभल जिले में साथी अधिवक्ता की हत्या को लेकर गुरूवार को यहां वकीलो ने विरोध प्रदर्शन किया। साथी अधिवक्ता सत्यपाल नेटा की संभल मे गोली मारकर हुई हत्या को लेकर वकीलो ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नेशनल हाइवे से लगे तहसील गेट पर जमकर नारेबाजी की। वहीं वकीलों के विरोध प्रदर्शन में गाजियाबाद तथा प्रयागराज में साथियों के उत्पीड़न के साथ जिले के उदयपुर एसओ की कार्यप्रणाली को लेकर भी विरोध का कडा तेवर दिखा। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष विभाकरनाथ शुक्ल एवं उपाध्यक्ष बालेन्द्र त्रिपाठी की संयुक्त अगुवाई में वकीलों ने तहसील परिसर में पुलिस व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। अधिवक्ताओं का आक्रोश नेशनल हाइवे से लगे तहसील के मुख्य गेट पर भी देखा गया। आम सभा में आल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि संभल के बहजोई थाना क्षेत्र में अधिवक्ता सत्यपाल नेटा की बदमाशो ने गोली मारकर बर्बर हत्या कर दी। उन्होने कहा कि प्रयागराज में अधिवक्ता अखिलेश शुक्ल गुडडू व संभल में अधिवक्ता की इस नृशंस हत्या ने कानून व्यवस्था के हालात पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। सभा का संचालन महामंत्री सूर्यकांत निराला ने किया। सभा को राममोहन सिंह, विकास मिश्र, अनिल त्रिपाठी महेश, संतोष पाण्डेय, अजय शुक्ल गुडडू, शैलेन्द्र मिश्र ने संबोधित करते हुए उदयपुर एसओ की मनमानी के साथ गाजियाबाद के साथियों के उत्पीडन पर संघर्ष में तेजी का ऐलान किया। इस मौके पर टीपी यादव, विपिन शुक्ल, श्रीश पाण्डेय, अनूप पाण्डेय, सिंटू मिश्र, दिनेश मिश्र, शेष तिवारी, तपन पाण्डेय, लाल अंकित प्रताप सिंह, शिवरंजन यादव, विनय शुक्ल, गिरिजाकांत द्विवेदी, नीरज सिंह, शैलेन्द्र सिंह बघेल, धीरेन्द्र मिश्र, प्रमोद सिंह, प्रवीण यादव, लाल विनोद प्रताप सिंह, जितेन्द्र सिंह आदि अधिवक्ता रहे।

आज पुल का लोकार्पण करेंगी विधायक मोना

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना आज शुक्रवार को पुल समेत क्षेत्र में विकास योजनाओं की सौगात सौंपेगी। विधायक आराधना मिश्रा मोना दिन मे बारह बजे मादामई में लोनी नदी के पुनरोद्धार कार्य का शुभारंभ करेंगी। वही वह पौने एक बजे कौड़ियाडीह में लोनी नदी पर नवनिर्मित पुल का लोकार्पण करेंगी। दिन में ढाई बजे विधायक मोना हिसामपुर में लोगों से मुलाकात करेंगी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने दी है।

विद्या ज्ञान में चिल्ड्रेन पैराडाइज के आठ मेधावियों ने लहराया सफलता का परचम, खुशी

लालगंज प्रतापगढ। विद्या ज्ञान प्रवेश परीक्षा में लालगंज स्थित चिल्डेन पैराडाइज स्कूल के आठ छात्र–छात्राओं का चयन हुआ है। प्रतिभाओं के चयन पर गुरूवार को विद्यालय में खुशी का माहौल दिखा। विद्यार्थियों के चयन पर विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में विद्यालय के प्रधानाचार्य आदर्श मिश्रा ने चयनितछात्र– छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इनमें मेधावी कृतिका तिवारी, अनन्या पटेल, अलीशा खान, रौनक करधन, मानवेंद्र पांण्डेय, असद अहमद ,शिवन्या त्रिपाठी, प्रियांशी द्विवेदी को सम्मान दिया गया। वहीं सफल विद्यार्थियों के चयन पर प्रधानाचार्य आदर्श मिश्रा ने विद्यालय के शिक्षक जनक शुक्ला एवं अनिषेक मिश्रा को भी सराहनीय शैक्षिक योगदान के लिए माल्यार्पण कर सम्मानित किया। समारोह का संचालन विद्यालय के उप प्रधानाचार्य भरत भूषण ओझा ने किया। इस मौके पर राजेंद्र त्रिपाठी, अनूप मिश्रा, संजीव पाण्डेय, सरिता पाण्डेय, प्रतिभा द्विवेदी, ज्योति शुक्ला, दिव्या सिंह, संगीता सिंह, शिवम पाण्डेये, हर्षित सिंह, अर्पित गुप्ता आदि मौजूद रहे। छात्रों के चयन पर विद्यालय के प्रबंधक विकास मिश्रा ने कहा कि शिक्षकों की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

डा0 बच्चाबाबू वर्मा के संगीत नाटक अकादमी का सदस्य चयनित होने पर जतायी गयी खुशी

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर स्थित गांधी इण्टर कालेज के संगीत शिक्षक डॉ. बच्चाबाबू वर्मा को उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में सदस्य नामित करने पर यहां गुरूवार को साहित्यकारों व कलाकारों मे खुशी का माहौल दिखा। शिक्षक डॉ. बच्चाबाबू वर्मा को शासन ने गायन के क्षेत्र में नाटक अकादमी की सामान्य परिषद का सदस्य नामित किया है। प्रदेश के संयुक्त सचिव उमा द्विवेदी की ओर से जारी विज्ञप्ति में डॉ. बच्चाबाबू को तीन वर्ष के लिए अकादमी का सदस्य बनाया गया है। संगीत गायन में विशिष्ट योगदान के लिए डॉ. बच्चाबाबू वर्मा की उपलब्धि पर यहां खुशी जतायी गयी है। प्रधानाचार्य डॉ. अमिताभ शुक्ल, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अनुज नागेन्द्र, आचार्य अनीस देहाती, डॉ. अम्बिकेश त्रिपाठी, भूपेन्द्र विश्वकर्मा, डॉ. आशुतोष त्रिपाठी, अतुल विश्वकर्मा, धर्मेन्द्र सिंह गुडडू, नामवर सिंह यादव, हरिकिशन दीवाना, परवाना प्रतापगढ़ी आदि ने डॉ. बच्चाबाबू वर्मा के चयन को संगीत एवं गायन तथा कला के क्षेत्र में जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि कहा है।

किशोरी का अपहरण, मुकदमा दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने किशोरी के अपहरण को लेकर अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे अनिरुद्ध गोविंदपुर निवासी नंदलाल सरोज की पत्नी कुसुम देवी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उसकी चौदह वर्षीया बेटी को बीती सत्रह दिसंबर को अज्ञात आरोपी बहला फुसलाकर भगा ले गया। पीड़िता का कहना है कि किशोरी घर से अपने साथ पन्द्रह हजार रूपये भी उठा ले गयी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज किया गया है, शीघ्र ही किशोरी का पता लगाया जाएगा।

टेस्ट क्रिकेटः मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024–25 खेली जा रही है। सीरीज का चौथा मुकाबला 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा।यह सीरीज अभी 1–1 की बराबरी पर है। ऐसे में दोनों टीमों के लिए चौथा मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है।मेलबर्न के मैदान पर कई ऐसे भारतीय बल्लेबाज हैं, जिनका प्रदर्शन कमाल का रहा है। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।इस सूची में पहले स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं। उन्होंने इस मैदान पर साल 1991 में अपना पहला मुकाबला खेला था।आखिरी बार वह यहां 2011 में खेलते हुए नजर आए थे।मेलबर्न के मैदान पर सचिन ने 5 मैच की 10 पारियों में 44.90 की औसत से 449 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 1 शतक और 3 अर्धशतक निकले थे। उनका यहां सर्वश्रेष्ठ स्कोर 116 रन रहा था।दूसरे स्थान पर अजिंक्य रहाणे हैं। उन्होंने साल 2014 में यहां पहला टेस्ट खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 3 मुकाबले खेले हैं और इसकी 6 पारियों में 369 रन बनाए हैं। उनकी औसत 73.80 की रही है।रहाणे के बल्ले से यहां 2 शतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 147 रन है।भारत जब इस मैदान पर आखिरी बार खेला था, तब रहाणे टीम के कप्तान थे और उनके बल्ले से 112 रन की पारी निकली थी।भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। वह अभी भारतीय टीम का हिस्सा भी हैं। ऐसे में उनसे चौथे टेस्ट में बड़ी पारी की उम्मीद होगी।उन्होंने मेलबर्न के मैदान पर 3 टेस्ट मैच खेले हैं और इसकी 6 पारियों में 52.66 की औसत के साथ 316 रन बनाने में सफल रहे हैं।उनके बल्ले से इस मैदान पर 1 शतक और 2 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 169 रन रहा है।सूची में चौथे स्थान पर पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग हैं। साल 2003 में सहवाग ने मेलबर्न के मैदान पर अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। 2011 में वह आखिरी बार इस मैदान पर खेलते हुए नजर आए थे।उन्होंने यहां 2 टेस्ट मैच खेले और इसकी 4 पारियों में 70 की उम्दा औसत के साथ 280 रन बनाए।सहवाग के बल्ले से इस मैदान पर 1 शतक और 1 अर्धशतक निकला, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 195 रन था।ऋषभ पंत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेल रहे हैं। उन्होंने यहां 2 टेस्ट मैच खेले हैं और इसकी 3 पारियों में 33.66 की औसत से 101 रन बनाए हैं।शुभमन गिल के बल्ले से इस मैदान पर 1 मैच की 2 पारियों में 80 रन निकले हैं।भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने यहां सिर्फ 1 टेस्ट मैच खेला है और 68 रन बनाने में सफल रहे हैं।रविंद्र जडेजा ने 2 टेस्ट की 3 पारियों में 66 रन बनाए हैं।

हिमालयन तहर्स शीर्ष पर कायमय रांची रेंजर्स ने डिवीजन 3 की पहली जीत हासिल की

कोयंबटूर, 19 दिसंबर। युवा कबड्डी सीरीज डिवीजन 3 ने करपगाम एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन में पांचवें दिन रोमांचक और दमदार प्रदर्शन का मिश्रण पेश किया।टेबल–टॉपर्स हिमालयन तहर्स ने देहरादून डायनामोज पर 27–26 से जीत दर्ज करके मजबूत वापसी की और शीर्ष पर अपना दबदबा बनाए रखा।डायनामोज ने खेल के अधिकांश समय तक बढ़त बनाए रखी, लेकिन अंतिम मिनट में लवप्रीत सैनी के शानदार टैकल ने तहर्स के पक्ष में रुख मोड़ दिया। लाल सिंह ने नौ रेड पॉइंट के साथ तहर्स के लिए रेडिंग प्रयास का नेतृत्व किया, जबकि दीपक लोहान ने डायनामोज के लिए नौ रेड पॉइंट बनाए, लेकिन उन्हें समर्थन की कमी खली।

रांची रेंजर्स ने चंबल चौलेंजर्स पर 58–44 की शानदार जीत के साथ सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। प्रिंस कुमार रॉय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 रेड पॉइंट बनाए, जबकि राहुल गोप ने रेंजर्स के खाते में 17 रेड पॉइंट जोड़े।चौलेंजर्स के अजय मरावी और अभिषेक कुमार के शानदार प्रदर्शन के बावजूद, जिन्होंने क्रमशरू 19 और 16 रेड पॉइंट बनाए, उनकी टीम रेंजर्स के लगातार हमले का सामना नहीं कर सकी। दिन की शुरुआत एक रोमांचक मैच से हुई, जिसमें लद्दाख वॉल्व्स ने देहरादून डायनामोज पर 41–36 से जीत हासिल की। अंतिम 10 मिनट तक खेल बराबरी पर था, लेकिन वॉल्व्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त हासिल कर ली। अनिल कुमार के सुपर 10 और राजन सिंह मन्हास के शानदार ऑल–राउंड प्रदर्शन ने सात टैकल पॉइंट और चार रेड पॉइंट का योगदान देकर वॉल्व्स की जीत सुनिश्चित की। डायनामोज के लिए शुभम देशवाल के सुपर 10 और पंकज शर्मा के नौ टैकल पॉइंट के बावजूद, वे अंतिम क्षणों में पिछड़ गए।

दिन के दूसरे मैच में वास्को वाइपर्स ने इंदौर इनविंसिबल्स पर 45–35 से शानदार जीत दर्ज की। वाइपर्स के लिए प्रिंस ने 17 शानदार रेड पॉइंट बनाए, जबकि प्रियांशु और सचिन ने डिफेंस में हाई 5 हासिल किए। इंदौर के रितिन ने सुपर 10 हासिल किया, लेकिन डिफेंसिव सपोर्ट की कमी के कारण वे इसे बरकरार नहीं रख पाए।

दिन के आखिरी मैच में, ताडोबा टाइगर्स ने कोणार्क किंग्स पर 43–38 से जीत दर्ज की और स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। श्रीकांत राउत ने 15 रेड पॉइंट के साथ बढ़त बनाई, जबकि अनिकेत गवांडे ने हाई 5 दर्ज किया। सूरज पवार के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन ने टाइगर्स के दबदबे को और बढ़ा दिया। किंग्स के राजेश देहुरी और निरोज कुमार सेठी के सुपर 10 के बावजूद, वे अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए।

गोदरेज सिक्योरिटी सोल्यूशंस ने आईएफएसईसी इंडिया 2024 में प्रदर्शित किए इनोवेटिव प्राडक्ट्स

नई दिल्ली ,19 दिसंबर । गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप की इकाई गोदरेज एंड बॉयस के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिजनेस ने 12 से 14 दिसंबर तक नई दिल्ली में आयोजित दक्षिण एशिया के सबसे बड़े सुरक्षा एक्सपो आईएफएसईसी इंडिया 2024 में अपनी नवीनतम पेशकशों को प्रस्तुत किया। इस तरह कंपनी ने सिक्योरिटी संबंधी इनोवेशन की दुनिया में एक बार फिर बेंचमार्क कायम किया है। कंपनी ने अत्याधुनिक घरेलू और संस्थागत सुरक्षा समाधानों का एक मजबूत पोर्टफोलियो प्रदर्शित किया, जो उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षा बढ़ाने और सुरक्षा अनुभव को फिर से परिभाषित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज एंड बॉयस में सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हैड पुष्कर गोखले ने कहा, श्श्बेहतर और उन्नत सुरक्षा समाधानों की बढ़ती मांग के साथ, श्आईएफएसईसी इंडियाय हमारे लिए अपनी विशेषज्ञता प्रदर्शित करने, अपने नवीनतम इनोवेशंस को प्रदर्शित करने और उद्योग के अग्रणी लोगों, भागीदारों और ग्राहकों से जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म है। गोदरेज में, हम आधुनिक उपभोक्ताओं की उभरती सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने वाले ऐसे प्रॉडक्ट बनाने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं, जिनके जरिये ग्राहकों को मन की शांति और आत्मविश्वास हासिल हो सके। ऐसे सभी प्रॉडक्ट्स के निर्माण के दौरान हम अपने ग्राहकों की जरूरतों को केंद्र में रखते हैं। उपयोगकर्ता–केंद्रित उत्पादों के माध्यम से ग्राहकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक सदी से अधिक के भरोसे के साथ, सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने भारत और दुनिया भर के 50 से अधिक देशों में एक मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। निगरानी उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और इस साल के अंत तक 4.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने के लिए तैयार है और हम गोदरेज में इस बढ़ते सर्विलांस मार्केट में अपनी भागीदारी बढ़ाना चाहते हैं।य

हमारी अभिनव पेशकश घर, कार्यालय और संस्थागत जरूरतों सहित विविध क्षेत्रों की सेवा करती है, जो ऐसे समाधान सुनिश्चित करती है जो उन्नत तकनीक को एआई और आईओटी जैसी तकनीकों के साथ सहज कार्यक्षमता के साथ जोड़ते हैं। आईएफएसईसी इंडिया 2024 में इस साल का लाइनअप सीमाओं को आगे बढ़ाने, नवाचार को बढ़ावा देने और अपने ग्राहकों के लिए सार्थक मूल्य बनाने के हमारे विजन को दर्शाता है।

हम इस गतिशील क्षेत्र में 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देख रहे हैं। घर की सुरक्षा को अगले स्तर पर ले जाते हुए, कंपनी ने होम कैमरों की एस प्रो रेंज पेश की, जिसे आधुनिक घरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये अत्याधुनिक कैमरे 5 एमपी एचडी रिजॉल्यूशन के साथ उन्नत कार्यक्षमता प्रदान करते हैं। इस तरह, स्मार्ट होम इकोसिस्टम के साथ इन्हें आसानी से इंटीग्रेट किया जा सकता है। साथ ही, अपनी आकर्षक डिजाइन के कारण इन्हें एक बेहतर उपहार के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

जैसे–जैसे इलेक्ट्रॉनिक होम सर्विलांस सिस्टम (ईएचएसएस) लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं, एस प्रो रेंज तकनीक–प्रेमी घर के मालिकों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अपने अभिनव होम सिक्योरिटी ऑफरिंग में इजाफा करते हुए, गोदरेज ने डुअल और ट्रिपल लॉकिंग मैकेनिज्म लॉकर भी लॉन्च किया है।

सभी आयु समूहों के उपयोगकर्ताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए, ये लॉकर विशेष रूप से शादी के मौसम के दौरान मांग में हैं, जो कीमती सामानों के लिए सुरक्षित और स्टाइलिश स्टोरेज सुनिश्चित करते हैं। इसके अलावा, गोदरेज ने 10 इंच चौड़ी स्क्रीन के साथ वीडीपी सीथ्रू प्रो नोवा पेश किया है, जहाँ घर के मालिक अपने मेहमानों की आसानी से देखभाल कर सकते हैं, और उन्हें 10 इंच की स्क्रीन पर एचडी रिजॉल्यूशन में देख सकते हैं। गोदरेज एंड बॉयस के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने कार्यस्थलों को सुरक्षित करने और पहुंच नियंत्रण को सुव्यवस्थित करने के लिए डिजाइन किए गए उत्पादों की एक श्रृंखला के साथ संस्थागत सुरक्षा में अपनी प्रगति पर भी जोर दिया।

लाइनअप में शामिल हैं– मजबूत पैरामीटर सिक्योरिटी के लिए पोल डिटेक्टर, महत्वपूर्ण कुंजियों की सुरक्षा और उन्हें व्यवस्थित करने के लिए की मैनेजमेंट सिस्टम (केएमएस), कुशल मूवमेंट मैनेजमेंट के लिए स्विंग लेन बैरियर, फ्लैप बैरियर और ट्राइपॉड टर्नस्टाइल, और फोन, लैपटॉप, बंदूकें और अन्य वस्तुओं का पता लगाने के लिए पूरे शरीर को स्कैन करने के लिए जी स्कैन पोल। एक मजबूत विरासत और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, गोदरेज का सुरक्षा समाधान व्यवसाय उद्योग में मानक स्थापित करना जारी रखता है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले कई दिग्गज भारतीय क्रिकेटर लेंगे संन्यास

नईदिल्ली, 19 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने अचानक बुधवार (18 दिसंबर) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया।उन्होंने यह फैसला तब लिया जब बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024–25 के आने वाले मुकाबले मेलबर्न और सिडनी में खेले जाने हैं, जहां स्पिन गेंदबाजों को मदद मिलती है।ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बड़े बदलाव के दौर से गुजरने वाली है। कई और अनुभवी खिलाड़ी अगले साल इंग्लैंड सीरीज से पहले संन्यास की घोषणा कर देंगे।रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया सीरीज कई अनुभवी खिलाड़ियों की आखिरी सीरीज होगी। भारतीय टीम अगले साल जून–जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। अश्विन का संन्यास लेना इसी की शुरुआत है।अश्विन, विराट कोहली, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे, चेतेश्वर पुजारा और रविंद्र जडेजा वो खिलाड़ी हैं जो 2012 और 2013 के बीच भारतीय टीम में हुए बड़े बदलाव का हिस्सा थे।उस समय राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण ने संन्यास लिया था।अश्विन को जब पहले टेस्ट में मौका नहीं मिला तभी उन्होंने संन्यास लेने का मन बना लिया था।हालांकि, कप्तान रोहित जब टीम के साथ जुड़े तो उन्होंने अश्विन को पिंक बॉल टेस्ट खेलने के लिए मना लिया।इसके बाद तीसरे टेस्ट में भी अश्विन को मौका नहीं मिला और उनकी जगह जडेजा खेले। कप्तान रोहित ने ये बात गाबा टेस्ट खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही थी।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अश्विन के मामले में यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें कब, कहां और क्या संदेश मिला।हालांकि, जब 500 से ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी को पर्थ टेस्ट में मौका नहीं मिला और उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर खेले। वह तभी समझ गए थे कि उन्हें अब ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे।पहले 2 टेस्ट मैच में जडेजा को भी मौका नहीं मिला था। हालांकि, तीसरे टेस्ट में उन्होंने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया।

अश्विन ने 106 टेस्ट में 24 की औसत से 537 विकेट लिए। उन्होंने अपने करियर में 37 बार 5 विकेट हॉल लिए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7ध्59 विकेट का रहा।बल्लेबाजी में उन्होंने 25.75 की औसत से 3,503 रन बनाए। उनके बल्ले से 6 शतक और 15 अर्धशतक निकले। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 124 रन रहा।उन्होंने 116 वनडे में 33.20 की औसत से 156 विकेट और टी–20 अंतरराष्ट्रीय में 65 मैच में 23.22 की औसत से 72 विकेट लिए थे।

वित्त वर्ष 24 में फिटनेस स्टार्टअप क्योरफिट का नुकसान 42 प्रतिशत बढ़कर 888 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली ,19 दिसंबर । फिटनेस स्टार्टअप क्योरफिट का कंसोलिडेटेड नुकसान वित्त वर्ष 24 में 42 प्रतिशत बढ़कर 888.5 करोड़ रुपये हो गया है। यह वित्त वर्ष 23 में 625.5 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 24 में कंपनी का एबिटा लॉस 123.4 प्रतिशत बढ़कर 587.97 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 23 में 263.2 करोड़ रुपये था।पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का नुकसान बढ़ने की वजह खर्च में बढ़ोतरी होना है।वित्त वर्ष 24 में क्योरफिट का विज्ञापन और प्रमोशन पर खर्च सालाना आधार पर 40.67 प्रतिशत बढ़कर 188.5 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 23 में 134 करोड़ रुपये था।वहीं, पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का लीगल और प्रोफेशनल सेवाओं पर खर्च वित्त वर्ष 23 में 79.3 करोड़ रुपये के मुकाबले 56.62 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 124.2 करोड़ रुपये हो गया है।पिछले वित्त वर्ष में क्योरफिट का कर्मचारियों पर खर्च 5.62 प्रतिशत घटकर 324 करोड़ रुपये हो गया है। इसकी वजह वर्कफोर्स रिस्ट्रक्चरिंग और वित्त वर्ष 24 में हुई छंटनी है। जनवरी 2024 में कंपनी ने विभिन्न सेगमेंट से करीब 120 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था।वित्त वर्ष 24 में क्योरफिट की ऑपरेटिंग आय 33.6 प्रतिशत बढ़कर 926.6 करोड़ रुपये हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 23 में 693.7 करोड़ रुपये थी।इसमें से 663.1 करोड़ रुपये की आय सर्विसेज की बिक्री से आई है, जो पिछले साल के 452.4 करोड़ रुपये से 46.58 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा उत्पादों की बिक्री से आय 8.13 प्रतिशत बढ़कर 256.7 करोड़ रुपये हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 23 में 237.4 करोड़ रुपये थी।क्योरफिट की स्थापना 2016 में मुकेश बंसल और अंकित नागोरी द्वारा की गई थी।

शरवरी गोदरेज प्रोफेशनल की पहली ब्रांड एंबेसडर बनीं

मुंबई ,19 दिसंबर । गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) की ओर से हेयर कलर और हेयर केयर की पेशकश करने वाले प्रमुख प्रोफेशनल हेयर ब्रांड गोदरेज प्रोफेशनल ने बॉलीवुड की उभरती हुई स्टार शरवरी को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है।

यह घोषणा गोदरेज प्रोफेशनल स्पॉटलाइट के ग्रैंड फिनाले में की गई, जो राष्ट्रीय स्तर पर हेयर स्टाइलिस्टों का जश्न मनाने वाला एक मंच है। मुंज्या, महाराज और वेद जैसी फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाने वाली शरवरी स्टाइल, आत्मविश्वास और सशक्तिकरण के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता एक परिभाषित हिस्सा रहे हैं – चाहे

को बखूबी दर्शाती हैं। उनका फैशन–फॉरवर्ड व्यक्तित्व और मूल्य मैं स्क्रीन पर किसी किरदार को निभा रही हूं या रेड कार्पेट पर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हूं जब गोदरेज प्रोफेशनल का प्रतिनिधित्व करने के लिए मुझसे संपर्क किया गया, तो मैं रोमांचित हो गई क्योंकि यह मेरी व्यक्तिगत शैली से मेल खाता है। शरवरी ने 2025 के ट्रेंडिंग हेयर कलर और स्टाइलिंग लुक को पेश करते हुए शोस्टॉपर के रूप में अपनी छाप छोड़ी।

गोदरेज प्रोफेशनल के साथ सहजता से मेल खाते हैं, जो उन्हें ब्रांड का आदर्श चेहरा बनाते हैं।

इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) के महाप्रबंधक अभिनव ग्रांधी ने कहा, हम गोदरेज प्रोफेशनल के लिए शरवरी को पहला ब्रांड एंबेसडर बनाने के लिए उत्साहित हैं। फैशन और लाइफस्टाइल आइकन होने के नाते, शर्वरी के पास लाखों लोग हैं जो उनकी बेदाग स्टाइल और ग्रेस के लिए उनका सम्मान करते हैं। गोदरेज प्रोफेशनल के साथ उनका जुड़ाव ऐसे समय में हुआ है जब हम आगे बढ़ रहे हैं और हेयर और ब्यूटी इंडस्ट्री में अपना विस्तार जारी रख रहे हैं।

इस गठजोड़ के बारे में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, शरवरी ने कहा, गोदरेज प्रोफेशनल के लिए पहली ब्रांड एंबेसडर बनना सम्मान की बात है। गोदरेज 120 से अधिक वर्षों से भारतीय घरों में एक विश्वसनीय नाम रहा है और इसने देश में हेयर कलर श्रेणी में वास्तव में क्रांति ला दी है। वे अपने अभिनव और उच्च गुणवत्ता वाले हेयर कलर रेंज जैसे डाइमेंशन और कलरप्ले के लिए जाने जाते हैं।

बाल हमेशा से मेरी शैली का एक परिभाषित हिस्सा रहे हैं – चाहे करते हुए शोस्टॉपर के रूप में अपनी छाप छोड़ी।

इस शानदार शोकेस को गोदरेज प्रोफेशनल की शानदार तिकड़ी ने क्यूरेट किया। यियानी त्सापेटोरी, क्रिएटिव डायरेक्टर – हेयरय शैलेश मूल्या, नेशनल टेक्निकल हेडय और नजीब–उर–रहमान, टेक्निकल एम्बेसडर। गोदरेज प्रोफेशनल ने अपने हेयर कलर की डाइमेंशन और कलरप्ले रेंज भी प्रदर्शित की। अपने ब्रांड एंबेसडर के एलान के साथ–साथ, गोदरेज प्रोफेशनल ने स्पॉटलाइट के विजेताओं की घोषणा की, जो राष्ट्रीय मंच पर हेयर स्टाइलिस्टों की रचनात्मकता का जश्न मनाने वाला एक मंच है।

प्राप्त 400 से अधिक प्रविष्टियों में सेय 30 फाइनलिस्ट ने एक भव्य हेयर शो में क्यूरेट किए गए हेयर कलर लुक दिखाए। राजकोट स्थित बोनान्जा ब्यूटी लाउंज के भाविन बावलिया ने प्रथम स्थान जीता, उन्हें 5 लाख रुपये और एक सेलिब्रिटी के साथ सहयोग करने का मौका मिला, जो उनके करियर में एक मील का पत्थर था।कोलकाता के कैक्सो अकादमी की प्रियंका सिन्हा ने 2.5 लाख रुपये के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि बेंगलुरु के लालतलान किमी – लव सैलून ने 1.5 लाख रुपये के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट यियानी त्सापटोरी, (क्रिएटिव डायरेक्टर – हेयर, गोदरेज प्रोफेशनल)य मोनिका बहल (ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर स्किल काउंसिल की सीईओ)य और कनिष्क रामचंदानी (संपादक, प्रोफेशनल ब्यूटी हेयरड्रेसर्स जर्नल इंडिया)य विशेष अतिथि जूरी – अभिनेत्री अदा खान और हेली शाह के साथ, विजेताओं का चयन किया।हेयर आर्टिस्ट्री और फैशन की भावना का जश्न मनाने वाले गोदरेज प्रोफेशनल स्पॉटलाइट कार्यक्रम में 300 से अधिक हेयर स्टाइलिस्ट शामिल हुए। ग्लैमर को और बढ़ाते हुए, प्रसिद्ध अभिनेता करणवीर बोहरा ने इस कार्यक्रम की मेजबानी की, जिससे यह प्रतिभा और रचनात्मकता का एक यादगार उत्सव बन गया।

आईडीएफसी फर्स्ट और हुरुन इंडिया की तरफ से इंडियाज टाप 200 सेल्फ-मेड आंत्रप्रेन्योर्स आफ द मिलेनिया 2024 की सूची जारी

IDFC FIRST Bank

IDFC FIRST Bank Limited

मुंबई ,19 दिसंबर । आईडीएफसी फर्स्ट प्राइवेट बैंकिंग और हुरुन इंडिया ने आईडीएफसी फर्स्ट प्राइवेट एंड हुरुन इंडियाज टॉप 200 सेल्फ–मेड आंत्रप्रेन्योर्स ऑफ द मिलेनिया 2024 का दूसरा संस्करण जारी किया है। यह सूची 200 सबसे मूल्यवान भारतीय कंपनियों की है, जिनकी स्थापना वर्ष 2000 के बाद हुई है।इन कंपनियों की रैंकिंग उनके मूल्यांकन के आधार पर की गई है, जिसमें सूचीबद्ध कंपनियों के लिए बाजार पूँजीकरण और गैर–सूचीबद्ध कंपनियों के लिए मूल्यांकन शामिल हैं। सूची को पूरा करने की आखिरी तारीख 25 सितंबर, 2024 थी। इस सूची में सिर्फ भारत में मुख्यालय वाली कंपनियों को ही शामिल किया गया है, यानि इसमें राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियाँ और विदेशी कंपनियों की सहायक कंपनियाँ शामिल नहीं हैं। इस सूची में समी कंपनियों का कुल मूल्य 36 लाख करोड़ रुपए है।इंडियाज टॉप 200 सेल्फ–मेड आंत्रप्रेन्योर्स ऑफ द मिलेनिया 2024 में देशभर के 46 शहरों के उद्यमियों को शामिल किया गया है। बेंगलुरु इस सूची में 98 उद्यमियों के साथ सबसे आगे है, इसके बाद मुंबई में 73 और नई दिल्ली में 51 उद्यमी शामिल हैं। ये तीनों शहर सूची में शामिल उद्यमियों का आधे से अधिक हिस्सा बनाते हैं। सूची में वित्तीय सेवाओं की 50 कंपनियों का प्रभुत्व है, जबकि स्वास्थ्य सेवा और खुदरा क्षेत्र में 25–25 कंपनियाँ शामिल हैं।उल्लेखनीय है कि सूची की 94त्न यानी 188 कंपनियों में बाहरी निवेशक शामिल हैं जबकि बाकी बूटस्ट्रैप्ड हैं। विकास शर्मा, हेड–वेल्थ मैनेजमेंट एंड प्राइवेट बैंकिंग, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, ने कहा, हमें आईडीएफसी फर्स्ट प्राइवेट एंड हुरुन इंडियाज 200 सेल्फ–मेड आंत्रप्रेन्योर्स ऑफ द मिलेनिया 2024 का दूसरा संस्करण जारी करने पर गर्व है। यह रिपोर्ट उन दूरदर्शी उद्यमियों की अविश्वसनीय यात्राओं को उजागर करती है, जो भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल रहे हैं। ये बिजनेस लीडर्स की दृढ़ता, नवाचार और उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रतीक है।आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में हम इस मूल्य को प्रखर रखते हैं। इस प्रकाशन के माध्यम से, हम उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ ही उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहरा रहे हैं जो भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है। इन अग्रणियों की पहचान को उजागर करना और उनकी सफलता तथा नेतृत्व को दुनिया के साथ साझा करना हमारे लिए सम्मान की बात है।अनस रहमान जुनैद, एमडी और चीफ रिसर्चर, हुरुन इंडिया, ने कहा, आईडीएफसी फर्स्ट प्राइवेट एंड हुरुन इंडियाज टॉप 200 सेल्फ–मेड आंत्रप्रेन्योर्स ऑफ द मिलेनिया 2024 रिपोर्ट सेल्फ–मेड उद्यमियों के भारत की अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव को दर्शाती है। इनका कुल व्यावसायिक मूल्य 431 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो भारत के 200 सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसायों के मूल्य के एक चौथाई के बराबर है।

रियलमी 14- ने 15,000 रुपये से कम कीमत वाले पहले आईपी69 फोन के तौर पर स्थापित किए नए मानक

नई दिल्ली ,19 दिसंबर । स्मार्टफोन खरीदते समय ग्राहक हमेशा उनकी मजबूती को प्राथमिकता देते हैं। जैसे–जैसे फोन अधिक एडवांस और महंगे हो रहे हैं, उनके रोजाना के इस्तेमाल, गिरने और पर्यावरणीय असर को झेल पाने की क्षमता बेहद जरूरी हो गई है।पिछले दस सालों में फोन की सुरक्षा के स्तर में बड़ा सुधार हुआ है। अब फोन पानी में खराब नहीं होते, उनकी बॉडी मजबूत होती है, बैटरी और स्क्रीन टिकाऊ होती हैं। पहले ये सुविधाए सिर्फ महंगे फोन में मिलती थीं, लेकिन अब ये बजट स्मार्टफोन में भी आने लगी हैं।रियलमी 14– स्मार्टफोन, मिड–रेंज सेगमेंट में मजबूती और टिकाऊपन का नया मापदंड स्थापित करने के लिए तैयार है। यह फोन कई ऐसी सुरक्षा सुविधाएं लेकर आ रहा है जो पहले सिर्फ महंगे फ्लैगशिप फोन में मिलती थी। इसमें एडवांस वॉटर रेजिस्टेंस और मिलिट्री–ग्रेड शॉक प्रोटेक्शन जैसी सुविधाएं शामिल हैं।सबसे खास बात यह है कि रियलमी 14– को आईपी69 सर्टिफिकेशन मिला है, जो इसे 15,000 रुपये से कम कीमत वाले स्मार्टफोन में पहला ऐसा फोन बनाता है। आईपी69 सर्टिफिकेशन का मतलब है कि यह फोन तेज दबाव वाले पानी की धारों को भी सहन कर सकता है। इसके अलावा, यह फोन आईपी68 सर्टिफिकेशन से भी लैस है, जिससे यह 1.5 मीटर गहरे पानी में 30 मिनट तक सुरक्षित रहता है।फोन की बॉडी को आर्मरशेल प्रोटेक्शन सिस्टम से सुरक्षित बनाया गया है, जिसे मिलिट्री–ग्रेड शॉक रेजिस्टेंस सर्टिफिकेशन मिला है। इसका डिजाइन ओवल–कट डायमंड्स से प्रेरित है, जो मजबूती और सुंदरता दोनों प्रदान करता है। सिर्फ 7.94 मिमी पतला और 197 ग्राम वजनी यह फोन दिखने में स्टाइलिश है और पकड़ने में हल्का।फोन में सोनिकवेव वॉटर इजेक्शन टेक्नोलॉजी दी गई है, जो इसे खास बनाती है। अगर फोन पानी के संपर्क में आता है, तो यह टेक्नोलॉजी स्पीकर से पानी को बाहर निकालने के लिए कंपन का इस्तेमाल करती है। इस तरह फोन को जल्दी सुखाया जा सकता है।फोन में रेनवाटर स्मार्ट टच टेक्नोलॉजी की मदद से गीले हाथों से स्क्रीन इस्तेमाल करने की समस्या को हल किया गया है। इसका खास एंटी–वाटर एल्गोरिदम स्क्रीन पर पानी की बूंदों के बावजूद 95त्न से ज्यादा टच एक्यूरेसी बनाए रखता है।

प्रीति जिंटा की भारत सरकार से अपील

C,लीवुड की स्टार एक्ट्रेस रहीं प्रीति जिंटा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर इंडस्ट्री से जुड़े मसलों और सामाजिक सराकारों पर भी बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। उन्होंने देश बढ़ते यौन शोषण के मामले और रेप की घटनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार से एक अपील की है और इटली की तरह देश में एक सख्त कानून लाने की अपील की है। उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी सरकार द्वारा बनाए गए उस कानून की सराहना की जिसमें प्रावधान किया गया है कि यौन शोषण और रेप करने वालों को नपुंसक बना दिया जाएगा।

दरअसल, इटली में पीएम जियोर्जिया मेलोनी वाली सरकार ने बलात्कारियों और यौन अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए रासायनिक बधियाकरण (दवाइयों के जरिए नपुंसक बनाना) का कानून बनाया। इटली के सांसदों ने इस साल सितंबर में ऐसे अपराधिया पर सख्त कार्रवाई करने के लिए एंड्रोजन अवरोधक दवाओं के इस्तेमाल को लीगलाइज करने का ड्राफ्ट बनाने के लिए एक समिति का गठन किया गया था, जिसे अब मंजूरी मिल गई है। प्रीति जिंटा ने इस कानून की सराहना की और इसे एक बेहतरीन कदम बताया। उन्होंने एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार को टैग करते हुए लिखा, "क्या शानदार कदम है! उम्मीद है कि भारत सरकार को भी ऐसा करना चाहिए। आप लोग क्या सोचते हैं? इस तरह के अपराध को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।"

प्रीति जिंटा की इस पोस्ट पर नेटिजंस ने भी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "भारत को वाकई जीरो टॉलरेंस पर काम करने की जरूरत है, जैसे यूपी में सीएम योगी ने किया है। अपराध और दंगों के लिए कोई जगह नहीं है। भारत सरकार भी कई बार इसी तरह के कदम उठाता है। अब समय आ गया है कि ऐसे अपराधों के लिए जीरो टॉलरेंस हो।" एक यूजर ने लिखा, "फाइनली, एक ऐसी सजा जो अपराध की भयावहता के हिसाब से सही है। समस्या को जड़ से खत्म करें। जीरो टॉलरेंस सिर्फ एक विकल्प नहीं है, यह एक आवश्यकता है!" एक अन्य यूजर ने लिखा, "मुझे लगता है कि आप केमिकल कैस्ट्रेशन के बारे में बहुत ज्यादा पढ़ रहे हैं। यह सिर्फ यौन क्रिया करने की व्यक्ति की क्षमता को प्रभावित करता है। वे फिर भी हिंसक हो सकते हैं। यौन हिंसा के प्रति इस तरह के भोले-भाले मूर्ख और भीड़ को खुश करने वाले रवैये के कारण ही हमारे पास रियल में कोई रोकथाम के उपाय नहीं हैं।" ¼fgQh½

ये काली काली आंखें के तीसरे सीजन का ऐलान, जल्द नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी वेब सीरीज

ये काली काली आंखें सीरीज जल्द अपने तीसरे सीजन के साथ ओटीटी पर वापसी करके के लिए पूरी तरह से तैयार है। इतना ही नहीं ये सीरीज इतनी मस्त है कि टॉप 10 सीरीज में ट्रैंड भी करने लगी है। अब इस सीरीज के फर्स्ट और सेकंड सीजन के फैंस तो बेहद ही हैप्पी कर दिया, और अब मेकर्स ने इसके नए सीजन का बड़ा एलान भी कर दिया है।

इस सीरीज के निर्देशक सिद्धार्थ सेनगुप्ता ने सीजन 3 को लेकर अपनी राय लोगों के साथ शेयर की है, इतना ही नहीं इस बारें में उन्होंने जानकारी दी है कि अगले सीजन में विक्रांत, पूर्वा और शिखा के रिश्ते के ट्विस्ट को दिखाया जाने वाला है। सीजन 2 जहां खत्म हुआ वहीं से तीसरे सीजन की शुरुआत वहां से ही की जाने वाली है। इस सीरीज के तीसरे सीजन में पूर्वा के बीते कल के बारें में बताया जाने वाला है. इतना ही नहीं इस सीरीज में और भी कई ट्विस्ट एंड टर्न्स देखने के लिए मिलने वाला है, वहीं सीरीज में विक्रांत, शिखा, गुरु, जलन और अखिल की जिंदगी में कई बड़े बदलाव भी देखने के लिए मिल सकते है।ये काली काली आंखें सीरीज का तीसरा सीजन जल्द नेटफ्लिक्स पर ही रिलीज किया जाने वाला है। सीरीज के पहले और दूसरे सीजन को दर्शकों ने भर भर कर प्यार भी दिया है, इसके पश्चात निर्देशक ने तीसरे सीजन के रिलीज को लेकर बड़ा एलान कर दिया। इस सीरीज में ट्विस्ट-टर्न, एक्शन, ड्रामा और बेहतरीन गाने भी इस सीजन में जोड़े जाने वाले है। अब तो इस पर मेकर्स का मानना है कि दूसरे सीजन की रिलीज के उपरांत भी पहले सीजन को फैंस देख रहे थे।

इस सीरीज में पूर्वा (आंचल सिंह), विक्रांत (ताहिर राज भसीन) और शिखा (श्वेता त्रिपाठी) तीनों ने अपने जटिल रिश्तों, जुनूनी प्यार को इस सीरीज के माध्यम से दिखाया है। इस शो की कास्ट और कहानी को फैंस से बहुत सपोर्ट मिला है। सीरीज की सक्सेस से इसके कलाकार भी बहुत खुश हैं। इस कहानी के दूसरे सीजन में ताहिर राज भसीन, आंचल सिंह और श्वेता त्रिपाठी के साथ गुरमीत चौधरी भी नजर आए।

कृति सेनन ने बताया शादियों में किस गाने पर झूमना उन्हें है पसंद

एक्ट्रेस कृति सेनन अपने खास दोस्त कबीर बहिया के साथ उनके रिश्तेदार की शादी में नजर आईं। अभिनेत्री ने बताया कि भारतीय शादियों में बजने वाला उनका सबसे पसंदीदा गाना कौन सा है?

कृति ने इंस्टाग्राम पर सेरेमनी की कई तस्वीरें साझा कीं। जिसमें वह अलग-अलग आउटफिट में नजर आ रही हैं। इसमें से एक तस्वीर में वह अपने हाथों पर मेहंदी लगवाती हुई दिखाई दी।

कृति ने कैप्शन में लिखा, भारतीय शादियों और सुखबीर के ओह हो हो हो पर डांस करने का कुछ अलग ही मजा है!सोशल मीडिया पर अपने खास दोस्त के साथ तस्वीर सामने आने के बाद यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या दोनों रिश्ते में हैं।बता दें कि कृति और कबीर की डेटिंग की अफवाहें तब शुरू हुईं, जब उनकी एक साथ ट्रिप की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। दोनों ने अपने रिश्ते की अफवाहों को न तो स्वीकार किया है और न ही नकारा है।हाल ही में अभिनेत्री ने यूके स्थित व्यवसायी कबीर को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए एक तस्वीर साझा की थी। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, जन्मदिन मुबारक हो कबीर! आपकी मासूम मुस्कान हमेशा बनी रहे!वर्क फ्रंट की बात करें, तो कृति तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, क्रू और दो पत्ती जैसी फिल्मों में अपनी अदायगी से सबका दिल जीत चुकी हैं।हाल ही में आई दो पत्ती एक मिस्ट्री थ्रिलर थी। जिसका निर्देशन शशांक चतुर्वेदी ने किया तो स्टोरी कनिका ढिल्लों ने लिखी। फिल्म में कृति डबल रोल में थीं। इसे अक्टूबर 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था।कृति अपनी बेबाकी को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। इसी महीने कृति ने आईएफएफआई में यह कहकर चौंका दिया कि नेपोटिज्म के लिए सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री ही जिम्मेदार नहीं है।कृति ने कहा, बेशक इंडस्ट्री ने मुझे गले लगाया। इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि जब आप फिल्म बैकग्राउंड से नहीं होते हैं, तो आपको यहां तक पहुंचने के लिए बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जिन अवसरों की आप चाह रखते हैं, उन्हें पाने में भी वक्त लगता है। आपको

सोनाक्षी की प्रतिक्रिया पर मुकेश खन्ना का जवाब

Ikनाक्षी सिन्हा वैसे तो कम ही किसी मुद्दे पर ज्यादा बात करती हैं लेकिन इस बार कुछ ऐसा हुआ है कि उनका गुस्सा फूट गया है। एक्टर मुकेश खन्ना ने कई सालों पहले सोनाक्षी की परवरिश को लेकर कमेंट किया था जो दोबारा वायरल हो रहा है। इस पर सोनाक्षी ने मुकेश खन्ना के लिए पोस्ट लिख कर उन्हें जवाब दिया था। सोनाक्षी के पोस्ट के बाद मुकेश खन्ना ने भी पोस्ट शेयर करके जवाब दिया है। मुकेश खन्ना का पोस्ट खूब वायरल हो रहा है।

दरअसल कुछ सालों पहले सोनाक्षी सिन्हा कौन बनेगा करोड़पति में गई थीं। जिसमें भगवान हनुमान से जुड़े सवाल का वो जवाब नहीं दे पाईं थीं। जिसके बाद मुकेश खन्ना ने उनकी परवरिश को लेकर कमेंट कर दिया था। इस पर फिर एक बार बात छिड़ गई है। अब मुकेश खन्ना ने इसका जवाब दिया है। मुकेश खन्ना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा- डियर सोनाक्षी, मैं सरप्राइज्ड हूं कि तुमने रिएक्ट करने में इतना समय लगा दिया। मुझे पता था कि मैं फेमस कौन बनेगा करोड़पति शो में उस घटना से उसका नाम लेकर उसे नाराज कर रहा था लेकिन मेरा उसे या उसके पिता को बदनाम करने का कोई इरादा नहीं था, जो मेरे सीनियर हैं और मेरा उनके साथ बहुत ही अच्छा रिश्ता है। मुकेश खन्ना ने आगे लिखा- मेरा इरादा आज की पीढ़ी पर रिएक्ट करना था, जो आज की गूगल दुनिया और मोबाइल फोन की गुलाम बन गए हैं। उनका ज्ञान विकिपीडिया और यूट्यूब पर सामाजिक बातचीत तक ही सीमित है और यहां मेरे सामने उसका एक हाई-फाई केस था जिसका उपयोग मैं दूसरों को सिखाने के लिए कर सकता था। पिता, बेटे, बेटियां। ¼fgQh½

फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स देती अच्छा संदेश

Vली फजल अब इंटरनेशनल स्टार हो गए हैं। अपने मिर्जापुर के गुड्डू भैया का भौकाल देश से विदेश तक पहुंच चुका है। वो कितने कमाल के एक्टर हैं ये बात वो अच्छे से साबित कर चुके हैं, ऋचा चड्ढा की एक्टिंग पर भी कभी किसी को शक नहीं रहा। वो इंडस्ट्री में अपनी एक अलग जगह रखती हैं, अब ये दोनों जब प्रोड्यूसर बने और मिलकर उन्होंने अपनी पहली फिल्म बनाई है तो वो इतनी कमाल की होगी ये उम्मीद तो नहीं थी। हां इन दोनों से हमेशा अच्छे कंटेंट की उम्मीद रहती है लेकिन इन्होने बैक टू बेसिक वाला फॉर्मूला अपनाया और कमाल का सिनेमा बनाया। ये फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स अलग अलग फिल्म फेस्टिवल्स में तारीफें बटोर चुकी हैं, इसे देखने के लिए भीड़ लग चुकी है और अब ये अमेजन प्राइम पर आई है।

मीरा यानि प्रीति पाणिग्रही अपने स्कूल के हेड प्रीफेक्ट है। बच्चों को अनुशासन में रखना उसका काम है। विदेश से उनके स्कूल में श्री यानि केशव बिनॉय पढ़ने आता है, और मीरा को केशव अच्छा लगने लगता है। मीरा की मां अनिला यानि कनि कसरुति चाहती है कि बेटी बस पढ़ाई पर ध्यान दे। दोनों मां बेटी के रिश्ते भी कुछ खास अच्छे नहीं हैं। श्री की मीरा की मां से भी दोस्ती होती है, फिर मीरा और श्री का रिश्ता क्या रंग लेता है और मां बेटी का रिश्ता कैसे आगे बढ़ता है। टीनेज रोमांस को बड़ी खूबसूरती से दिखाती है ये। ये फिल्म कमाल की है, अगर आप 90 के दशक में पैदा हुए तो ये फिल्म आपको उसी दौर में ले जाएगी क्योंकि ये उसी दौर की कहानी है जब मोबाइल नहीं आए थे और मिस्ड कॉल वाला रोमांस चलता है। ये फिल्म काफी सिंपल है और यही इसकी ताकत है। कुछ कहानियां सिंपल ही अच्छी लगती है, कुछ कहानियों में जबरदस्ती का तड़का अच्छा नहीं लगता। ये कहानी भी वैसी ही है, आप अपने दौर को याद करेंगे और अगर आप उस दौर के नहीं है तो भी इस कहानी से रिलेट करेंगे। आपके आसपास ऐसी कहानियां दिखेंगी, इसके किरदार बहुत ज्यादा कन्विंसिंग लगते हैं। फिल्म अपनी पेस से चलती है जो बिल्कुल सही है। ¼fgQh½

अनुष्का सेन ने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर ढाया कहर, एक्ट्रेस की खूबसूरती देखकर फैंस हुए फिदा

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पिंक कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं। खुले बालों को कर्ली स्टाइल में लुक कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। अनुष्का सेन जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर दिलखोलकर अपना प्यार लूटाते हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक-शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।